माघ शुक्ल - 8 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 202 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 17-02-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

www.sprindia.com

SPR CITY
A PROJECT WITH BINNY LTD

BIG ON SPACE, BIG ON LIFE!

SPR CITY PRESENTS

2BIGHK

BOOK NOW & EARN 24 MONTHS RENT IN ADVANCE

Save up to ₹9.6 lakhs

Limited units available

INTRODUCING BEST PRICE GUARANTEE

Experience India's first **Best Price Guarantee** on your city's favorite apartments. If you find a better price, we'll match it and add ₹**5 lakh compensation**. Our commitment to fairness ensures equal respect for all, whether you buy with or without references. Trust in our guaranteed **Best Price**.

Architect | CREDAI

WWW.TNRERA.IN | RERA: TN/29/Building/0209/2021
Images are artist's impressions | *T & C Apply.

Address: No 1, Cooks Road, SPR City, Perambur, Chennai - 600012.

SCAN TO SEE OUR CUSTOMER TESTIMONIAL VIDEO

FOR PRICE GUARANTEE,
Call: 73582 00333

'मर्यादा और अनुशासन ही तेरापंथ धर्मसंघ का प्राण है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर में विराजित साध्वीश्री संयमलताजी व साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा द्वारा 160वां मर्यादा महोत्सव मनाया गया।

इस मौके पर साध्वी संयमलताजी ने कहा कि तेरापंथ धर्म संघ में आज्ञा ही तप है, आज्ञा ही संयम है। इस संघ में गुरु आज्ञा के बिना एक पत्ता भी नहीं हिल सकता। उन्होंने मर्यादा को परिभाषित करते हुए कहा कि मर्यादा वह जो बिखराव को समेटती है, जो उच्च श्रृंखलता को अंकुश लगाती है, जो शक्तियों को सही दिशा प्रदान करती है, जो अनुशासन से जीवन को सँवारती है, संघ संगठन के संदर्भ में जहां इच्छाओं का समर्पण सामुदायिक चेतना का विकास हो, उसे हम मर्यादा कहते हैं। मर्यादा और अनुशासन ही तेरापंथ धर्म संघ का प्राण है।

साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि मर्यादा के निर्माता, मर्यादाएं और मर्यादाओं का पालन करने वाले, इन तीनों में मर्यादाओं का पालन करने वालों का महत्वपूर्ण स्थान है। आचार्य भिक्षु और जयाचार्य ने संघ में मर्यादा और व्यवस्थाओं के बीज वपन किए। साध्वी मनीषाप्रभाजी, भव्ययशाजी, रौनकप्रभाजी व शिक्षाप्रभाजी ने गीत की प्रस्तुति दी। साध्वी संगीतप्रभाजी व तेरापंथ युवक परिषद ने आचार्य भिक्षु के प्रति भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अमोलकचंद बागरेचा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री केसरीचंद गोलेछा ने वासुपूज्य भवन के ट्रस्ट मंडल को ध्यवाद दिया। तेयुप के अध्यक्ष विशाल बोहरा ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन साध्वी मार्दवश्रीजी ने किया।

भुवनेश्वर में बागची श्री शंकरा कैंसर केंद्र एवं अनुसंधान संस्थान का हुआ शुभारंभ

उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने श्री शंकरा कैंसर फाउंडेशन की इस इकाई का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

बेंगलूरु/भुवनेश्वर। उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर में शुक्रवार को बागची श्री शंकरा कैंसर सेंटर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के 750 बिस्तरों वाला व्यापक और प्रौद्योगिकी-संचालित कैंसर अस्पताल का शुभारंभ उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने किया। 20 एकड़ भूमि में फैले इस अत्याधुनिक अस्पताल में एक आउटपेशेंट ब्लॉक और एक इन-पेशेंट ब्लॉक है जो ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में विश्व स्तरीय तकनीक से लैस और यह सभी वर्ग के रोगियों को सर्वोत्तम देखभाल प्रदान करने के तैयार है। अस्पताल के प्रमुख डॉ श्रीनाथ ने अस्पताल के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अस्पताल में 45 परामर्श क्लीनिक,आउटपेशेन्ट (रोगी) ब्लॉक में पर्याप्त बैठने की व्यवस्था है। अस्पताल में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी में 2 उन्नत रैखिक त्वरक और ब्रैकीथेरेपी मशीनें है। ओटी कॉम्प्लेक्स में 12 एडवांस ऑपरेशन थिएटर अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हैं जो इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सहित नियमित और जटिल प्रक्रियाओं की सुविधा प्रदान करते है।

डॉ श्रीनाथ ने बताया कि 60 बिस्तरों वाला डे-केयर कीमोथेरेपी केंद्र है, जहां एक समर्पित मेडिकल ऑन्कोलॉजी टीम कुछ घंटों में बारीकी से निगरानी के साथ रोगी को कीमोथेरेपी प्रदान करेगी, जिससे रोगी को रात में अस्पताल में नहीं रुकना पड़ेगा। प्रत्येक रोगी और देखभालकर्ता के आराम को सुनिश्चित करने के लिए इन-पेशेंट ब्लॉक में वार्डों को विशेष रुप से बनाया गया ताकि रोगियों को सुविधा हो। इसके अलावा विशेष गहन देखभाल बिस्तरों और 4 बाल चिकित्सा अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण सुइट्स(विशेष रुम) के साथ 50 बिस्तरों वाला बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी केंद्र भी है।

'जीतो' साउथ की महिलाओं ने कच्छ की संस्कृति, मंदिर व सभ्यता की ली जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज़ साउथ विंग की सदस्याओं ने 'कच्छ के रण उत्सव में भाग लिया और कच्छ की संस्कृति के बारे में जाना। अध्यक्षा सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने कार्यक्रम की जानकारी व रुपरेखा प्रस्तुत की। जीतो के चेयरमैन दिनेश बोहरा व मुख्य सचिव दीपक श्रीश्रीमाल ने सभी 25 महिलाओं को संस्कृति यात्रा में शामिल होने पर बधाई दी। इस यात्रा की संयोजिका नीलम सांड व सहसंयोजिका निशा टुकलिया, बिन्दू मेहता, रेशमा बडोला आदि ने व्यवस्था संभाली। महिलाओं ने कच्छ की संस्कृति, सभ्यता व उत्सव के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा अनुभव किया। उन्होंने धौलावीरा में प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के शहर की कुशल वास्तुकला, जल प्रबंधन प्रणाली और धार्मिक स्थलों के के बारे में रोचक तथ्य जाने। भ्रमण के साथ साथ महिलाओं ने कच्छ के सबसे प्रसिद्ध 72 जिनालय मूलनायक आदिनाथ मंदिर में 73 इंच लंबी मूर्ति व पार्श्वनाथ प्रभु के दर्शन किए। महिलाओं ने विजय विलास महल का दौरा किया तथा मांडवी बिच तक पहुंचने के रास्ते में एक विशाल पवनचक्की (विंडमिल) के बारे में जाना। महिलाओं ने संस्कृति की जानकारी के साथ जमकर खरीददारी की।

सरकार हमारी आवाज दबाने की कोशिश कर रही : पंधेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

चंडीगढ़/भाषा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह प्रदर्शनकारियों की आवाज को ''दबाने'' की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि किसानों और यूट्यूबर्स के सोशल मीडिया खाते निलंबित कर दिए गए हैं। पंधेर ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक के दौरान हमने इंटरनेट और सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किसान नेताओं के खाते निलंबित करने का मुद्दा उठाया था उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कि सरकार ने किसानों का आंदोलन दिखाने वाले करीब 70 यूट्यूबर्स के खाते निलंबित कर दिए हैं, ऐसा लगता है कि ''सरकार हमारी आवाज दबाना चाहती है। पंधेर ने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने पंजाब-हरियाणा सीमा पर तैनात अर्द्धसैनिक बलों के जवानों द्वारा किसानों पर ''बल'' प्रयोग का मुद्दा उठाया उन्होंने दावा किया कि शंभू और खनौरी सीमाओं पर हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों की कार्रवाई में लगभग 70 किसानों को गंभीर चोटें आई हैं। किसान नेता ने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों के साथ वार्ता सकारात्मक माहौल में हुई तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और कर्ज माफी पर कानून बनाने समेत प्रदर्शनकारियों की विभिन्न मांगों पर चर्चा हुई।

पंधेर ने बताया कि सरकार ने कहा कि वह बातचीत जारी रखना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका 'दिल्ली चलो' आह्वान अभी भी कायम है और प्रदर्शनकारी पंजाब-हरियाणा सीमा पर हैं ताकि बातचीत के जरिए कोई समाधान निकल सके। पंधेर ने बृहस्पतिवार को कहा था कि मंत्रियों के साथ बैठक के दौरान उन्होंने शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसानों पर अर्धसैनिक बलों द्वारा आंसू गैस के गोले दागने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान उन्होंने मंत्रियों को गोले के खोखे भी दिखाए।

नए फैशन कलेक्शन के साथ आ गई हाई लाइफ प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

बेंगलूरु। भारत की ट्रेंडसेटिंग फैशन प्रदर्शनी हाई लाइफ का आगाज शनिवार को यहां द ललित अशोक में होगा।

आयोजकों ने बताया कि फैशन, स्टाइल, डेकोर और लग्जरी के लिए मशहूर यह प्रदर्शनी 19 फरवरी तक जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक है।

उन्होंने बताया कि भारत के पसंदीदा फैशन शोकेस के रूप में हाई फैशन के साथ इस नए सीजन की शुरुआत हो रही है। हाई लाइफ प्रदर्शनी नए फैशन कलेक्शन के साथ वापस आ गई है। यहां डिजाइनर परिधानों, आभूषणों, दुल्हन के परिधानों, फैशन एक्सेसरीज और कई प्रॉडक्ट्स की शानदार नई रेंज उपलब्ध होगी।

इसके अलावा ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध होंगे।

भारतीय नागरिकों से विवाह करने वाले अनिवासियों, प्रवासियों के मामले में व्यापक कानून जरूरी : विधि आयोग

नई दिल्ली/भाषा। विधि आयोग ने अनिवासी भारतीयों और भारतीय नागरिकों के बीच विवाह के मामलों में बढ़ती धोखाधड़ी को चिंताजनक बताते हुए स्थिति से निपटने के लिए एक व्यापक कानून और ऐसी शादियों के अनिवार्य पंजीकरण की सिफारिश की है। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ऋतुराज अवस्थी ने विधि मंत्रालय को अनिवासी भारतीयों और भारत के प्रवासी नागरिकों से संबंधित वैवाहिक मुद्दों पर कानून नामक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट के अनुसार, आयोग की राय है कि प्रस्तावित केंद्रीय कानून अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) और भारतीय मूल के प्रवासी विदेशी नागरिकों (ओसीआई) के भारतीय नागरिकों के साथ विवाह से जुड़े सभी पहलुओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप से व्यापक होना चाहिए। न्यायमूर्ति अवस्थी ने बृहस्पतिवार को कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को लिखे अपने 'कवरिंग लेटर' में कहा, अनिवासी भारतीयों और भारतीय नागरिकों के बीच शादी के मामलों में बढ़ती धोखाधड़ी की प्रवृत्ति चिंताजनक है। कई रिपोर्ट इस बढ़ती प्रवृत्ति को उजागर करती हैं जहां ये शादियां धोखाधड़ी साबित होती हैं, जिससे भारतीय पति-पत्नियों, विशेषकर महिलाओं को अनिश्चित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। आयोग ने कहा कि इस तरह का कानून न सिर्फ एनआरआई, बल्कि भारतीय मूल के प्रवासी विदेशी नागरिकों (ओसीआई) के दर्जे के साथ आने वाले लोगों पर भी लागू होना चाहिए। न्यायमूर्ति अवस्थी ने कहा, यह भी सिफारिश की जाती है कि एनआरआई/ओसीआई और भारतीय नागरिकों के बीच सभी विवाहों को भारत में अनिवार्य रूप से पंजीकृत किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि व्यापक केंद्रीय कानून में तलाक, जीवनसाथी के भरण-पोषण, बच्चों की अभिरक्षा और भरण-पोषण, एनआरआई तथा ओसीआई को समन, वारंट या न्यायिक दस्तावेज तामील करने के प्रावधान भी शामिल होने चाहिए। न्यायमूर्ति अवस्थी ने सरकार से कहा, इसके अलावा, यह अनुशंसा की जाती है कि वैवाहिक स्थिति की घोषणा, पति-पत्नी के पासपोर्ट को एक-दूसरे के साथ जोड़ना और दोनों के पासपोर्ट पर विवाह पंजीकरण संख्या का उल्लेख करना अनिवार्य करने के लिए पासपोर्ट अधिनियम, 1967 में अपेक्षित संशोधन किए जाने की आवश्यकता है।

एसकेएम के 'भारत बंद' आह्वान के मद्देनजर पंजाब में बस सेवाएं ठप, हरियाणा में टोल प्लाजा पर धरना

अमृतसर/हिसार/मुजफ्फरनगर/भाषा। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को स्वीकार करने को लेकर सरकार पर दबाव बनाने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के 'भारत बंद' आह्वान के मद्देनजर शुक्रवार को पंजाब में सड़कों से बसें नदारद रहीं, जिसके चलते यात्रियों को काफी असुविधा हुई।

राज्य में कई स्थानों पर बाजार और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान भी बंद रहे। किसानों ने कई स्थानों पर प्रदर्शन किया और पठानकोट, तरनतारन, बठिंडा और जालंधर में राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने उनकी मांगें नहीं मानने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हरियाणा के हिसार में, हरियाणा रोडवेज के कर्मचारियों ने 'भारत बंद' का समर्थन किया, जिसके चलते बस सेवाएं ठप रहीं। भारतीय किसान यूनियन (चढ़नी) के सदस्यों ने हरियाणा के कई टोल प्लाजा पर धरना दिया और अधिकारियों पर यात्रियों से टोल टैक्स न वसूलने के लिए दबाव डाला।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन किए गए। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) नेता राकेश टिकैत ने मुजफ्फरनगर में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर बागोवाली क्रॉसिंग पर किए गए विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

भाकियू नेता राकेश टिकैत ने संवाददाताओं से कहा, हम स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने, ऋण माफी आदि मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शाहजहांपुर, बदायूं और मेरठ में बंद का कोई असर नहीं दिखा। भाकियू (राजेवाल), भाकियू (दकुंडा), भाकियू (लाखोवाल), भाकियू (कादियान) और कीर्ति किसान यूनियन सहित कई किसान संगठन बंद में हिस्सा ले रहे हैं। पंजाब रोडवेज, पनबस और 'पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन' भी संयुक्त किसान मोर्चा के बंद के आह्वान का समर्थन कर रहे हैं।

किसानों की मांगें माने और एमएसपी की कानूनी गारंटी दे सरकार: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ पुलिस के कथित बल प्रयोग की निंदा करते हुए शुक्रवार को कहा कि सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने समेत किसानों की सभी मांगें स्वीकार करनी चाहिए। पार्टी के प्रकोष्ठ अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के प्रमुख सुखपाल सिंह खैरा ने आरोप भी लगाया कि केंद्र सरकार ने किसानों के वादाखिलाफी की है।

खैरा ने संवाददाताओं से कहा, मोदी सरकार ने किसान संगठनों से वादा किया था कि एमएसपी को कानूनी गारंटी देंगे, तीनों काले कृषि कानून रद्द होंगे, किसानों पर दर्ज मुकदमें वापस होंगे, शहीद किसानों के परिवारों को मुआवजा व बच्चों को नौकरी देंगे, बिजली संशोधन विधेयक वापस लेंगे उन्होंने दावा किया, दो साल से ज्यादा होने पर भी मोदी सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए। ऐसे में किसानों-खेत मजदूरों के पास दिल्ली कूच के सिवाए क्या रास्ता बचा था।

खैरा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के इशारे पर हरियाणा सरकार की पुलिस पंजाब में घुसकर किसानों से मारपीट कर रही है उन्होंने सवाल किया, भाजपा सरकार के मंत्री कहते हैं कि बातचीत करके मसला हल होगा। जब बातचीत से मामला हल होना था, तो 3 साल तक किसानों से क्यों बात नहीं की गई? सरकार अरबपतियों का लाखों-करोड़ों का कर्ज माफ कर सकती है, लेकिन किसानों का कर्ज क्यों माफ नहीं करती?'' उन्होंने कहा, हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि वो किसानों की इन मांगों को पूरा करे।

एमएसपी को लेकर एक कानून बनाया जाए, किसानों के कर्ज की समीक्षा हो और उसे माफ किया जाए। पिछले आंदोलन में किसानों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिए जाएं, बिजली संशोधन विधेयक वापस लिया जाए या उसकी समीक्षा की जाए, पिछले आंदोलन में शहीद किसानों के परिवार को मुआवजा मिले और किसी एक (परिजन) को सरकारी नौकरी दी जाए। खैरा ने कहा कि इस बार के आंदोलन की अगुवाई कर रहे किसान मोर्चा को दिल्ली आने दिया जाए।

मराठा समुदाय के सदस्यों ने आरक्षण मुद्दे पर पुणे-सोलापुर राजमार्ग को अवरुद्ध किया

पुणे/भाषा। कुछ मराठा संगठनों के सदस्यों ने कार्यकर्ता मनोज जरांगे के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए शुक्रवार को यहां पुणे-सोलापुर राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। जरांगे समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर 10 फरवरी से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। पुलिस ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन यवत के निकट किया गया।

यवत पुलिस थाने के निरीक्षक नारायण देशमुख ने कहा, विभिन्न मराठा संगठनों के सदस्यों ने दोपहर में पुणे-सोलापुर रोड पर 'रास्ता रोको' आंदोलन किया। लेकिन अब राजमार्ग से प्रदर्शनकारियों को हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है। मराठा संगठन 'सकल मराठा समाज' के सदस्य मयूर दोर्गे ने कहा कि जरांगे की भूख हड़ताल आज सातवें दिन भी जारी रही लेकिन सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर नहीं है उन्होंने कहा, राज्य सरकार के रवैये की निंदा करने और जरांगे का समर्थन करने के लिए, हमने 45 मिनट तक रास्ता रोको विरोध प्रदर्शन किया।

जरांगे के समर्थन में पुणे शहर के निकट पिंपरी चिंचवाड़ इलाके में कुछ मराठा संगठनों ने भी विरोध प्रदर्शन किया।

जरांगे महाराष्ट्र के जालना जिले में अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती में भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

एक साल से भी कम समय में यह चौथी बार है जब जरांगे मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समूह में शामिल करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे हैं।

आरक्षण और मराठा समुदाय की अन्य मांगों पर चर्चा के लिए 20 फरवरी को महाराष्ट्र विधानमंडल का एक विशेष सत्र आयोजित होगा।

माघ शुक्ल - 8 संवत 2080 वर्ष - 11 अंक - 202 पृष्ठ - 8 रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 17-02-2024 www.dakshinbharat.com Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पहला लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए उत्साहित हूं, सीट पार्टी तय करेगी : चंद्रशेखर

6 राजनीतिक दलों के बाजीगर और चुनावी शतरंज

7 शोटाइम, फिल्म इंडस्ट्री की कई सच्चाइयों को सामने लेकर आएगा : इमरान हाशमी

फर्स्ट टेक

तमिलनाडु : सेंथिल बालाजी की हिरासत बढ़ाई गई

चेन्नई/भाषा। चेन्नई की एक सत्र अदालत ने शुक्रवार को तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी.सेंथिल बालाजी की हिरासत 20 फरवरी तक के लिए बढ़ा दी है । उन्हें प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन के एक मामले में पिछले साल जून में गिरफ्तार किया था। अभियोजन पक्ष ने केंद्रीय कारागार में बंद बालाजी को प्रधान सत्र न्यायाधीश एस.अली के समक्ष वीडियो कांफ्रेंस के जरिये पेश किया। इसके बाद अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत 20 फरवरी तक के लिए बढ़ा दी। सुनवाई के दौरान बालाजी के अधिवक्ता ने अदालत को सूचित किया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता ने धनशोधन के आरोप से मुक्त करने के लिए अर्जी दी है। न्यायाधीश ने 11 जनवरी को बालाजी के खिलाफ आरोप तय करने के लिए सुनवाई टाल दी थी। हालांकि, जब मामला 22 जनवरी को सुनवाई के लिए आया, तो बालाजी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एस प्रभाकरन ने अदालत को सूचित किया कि द्रमुक नेता ने 'विधेय अपराध' के निपटान तक मुकदमे को स्थगित करने के लिए एक याचिका दायर की है। बालाजी को 14 जून, 2023 को ईडी ने 'धन के बदले नौकरी' घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में गिरफ्तार किया था।

श्रीलंका ने 11 बौद्ध मंदिरों को पवित्र स्थल घोषित किया

कोलंबो/एजेन्सी। श्रीलंका सरकार ने देश के महत्वपूर्ण पुरातात्विक, ऐतिहासिक और पवित्र महत्व वाले 11 बौद्ध मंदिरों को पवित्र स्थल घोषित किया है। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग (पीएमडी) ने शुक्रवार को एक प्रेस बयान में यह जानकारी दी। पीएमडी ने बताया कि ये पवित्र क्षेत्र उत्तर-मध्य, उत्तर-पश्चिमी, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी प्रांतों में स्थित हैं। इन नये स्थलों के साथ श्रीलंका में पवित्र स्थलों की संख्या 142 हो गयी है। राष्ट्रपति के सचिव समन एकनायके ने कहा कि सरकार बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने के लिए मध्य श्रीलंका के कैंडी में एक बौद्ध विश्वविद्यालय और एक बौद्ध संग्रहालय स्थापित करेगी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, श्रीलंका की लगभग 70 प्रतिशत आबादी बौद्ध धर्म का पालन करती है।

सूर्यास्त 17-02-2024 6:15 बजे	सूर्योदय 18-02-2024 6:30 बजे
BSE 72,426.64 (+376.26)	NSE 22,040.70 (+129.95)
सोना 6,494 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 76,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नायक नहीं...

जनप्रतिनिधि की लोकतंत्र में,
ईगो नहीं कभी फलदायक।
नहीं कभी बेसुरे बनेंगे,
जन रंजन के सुमधुर गायक।
मर्यादा भूले वैधानिक,
वे होंगे हरगिज ना लायक।
नेता तो होंगे चाहे वे,
पर होंगे सच में खलनायक।।

वित्तवर्ष 2024-25 के लिए

कर्नाटक सरकार ने 3.71 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। आम चुनाव नजदीक आने के बीच कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में 2024-25 के लिए 3,71,383 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट दस्तावेजों के मुताबिक इस साल उधारी एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाएगी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने वित्त मंत्री के रूप में अपने रिकॉर्ड 15वें बजट भाषण में कहा कि कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए बजटीय आवंटन बढ़ाकर 1,20,373 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने 27,354 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे के साथ पेश किए गए बजट में भारत में बनी शराब (आईएमएल) और बीयर के लिए कर स्लैब को संशोधित करने का प्रस्ताव रखा।

सिद्दरामैया ने कहा, ''इसके अलावा मैंने राजकोषीय घाटे को जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) के तीन प्रतिशत के भीतर लाने और कुल बकाया देनदारियों को जीएसडीपी के 25 प्रतिशत के भीतर रखकर राजकोषीय मजबूती को सुनिश्चित किया है।'' उन्होंने अगले दो वर्षों के बाद राजस्व अधिशेष हासिल करने का भरोसा भी जताया।

विपक्ष के सदस्यों की नारेबाजी और बहिर्गमन के कारण बजट पेश करने में बाधा हुई।

सिद्दरामैया ने कहा कि राज्य सरकार अपनी गारंटी योजनाओं के जरिए 2024-25 के दौरान करोड़ों लोगों को 52,000 करोड़ रुपये देगी। उन्होंने कहा कि गारंटी योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक परिवार को हर साल औसतन 50,000 से 55,000 रुपये हस्तांतरित किए जा रहे हैं।

जो भगवान राम को 'काल्पनिक' कहते थे, वह अब 'जय सिया राम' के नारे लगा रहे हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रेवाड़ी (हरियाणा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर पर कांग्रेस के रुख को लेकर शुक्रवार को उसकी आलोचना की और कहा कि जो लोग भगवान राम को 'काल्पनिक' कहते थे और मंदिर निर्माण नहीं चाहते थे, वे भी अब 'जय सिया राम' के नारे लगा रहे हैं।

हरियाणा के रेवाड़ी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की आधारशिला रखने और कई परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने आज दुनिया में नई ऊंचाइयों को छुआ है और यह लोगों के आशीर्वाद से संभव हुआ है।

इस सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात और कतर की अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को अब दुनिया के हर कोने से जो सम्मान मिल रहा है, वह केवल मोदी का नहीं है बल्कि हर भारतीय का है। दुनिया में भारत की बढ़ती साख, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने और पूर्व सैनिकों को 'वन रैंक-वन पेंशन' दिए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी ने देश को जो 'गारंटी' दी वह पूरी की है और वह अपने तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने की 'गारंटी' पूरी करेंगे।

> ■ भारत ने आज दुनिया में नई ऊंचाइयों को छुआ है और यह भारतियों के आशीर्वाद से संभव हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों से कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने में बाधाएं पैदा कीं लेकिन भाजपा ने इसे हटाने की गारंटी थी। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाकर उस गारंटी को भी पूरा किया उन्होंने कहा, देश की इच्छा थी की अयोध्या में प्रभु राम का भव्य मंदिर का निर्माण हो। आज पूरा देश भव्य राम मंदिर में विराजे राम लला के दर्शन कर रहा है। और तो और... कांग्रेस के जो लोग हमारे भगवान राम को काल्पनिक बताते थे, जो कभी नहीं चाहते थे कि प्रभु राम का मंदिर बने अयोध्या में... वह भी जय सियाराम बोलने लगे हैं।

अयोध्या में राम लला के विग्रह का प्राण प्रतिष्ठा समारोह पिछले महीने प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। शीर्ष कांग्रेस नेता प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूर रहे।

शंभू सीमा पर हरियाणा पुलिस ने किसानों पर आंसू गैस के गोले दागे; कल फिर बातचीत

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा-पंजाब की शंभू सीमा पर अंबाला के पास शुक्रवार को प्रदर्शनकारी किसानों के अवरोधक की तरफ बढ़ने की कोशिश के दौरान हरियाणा पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के दागे।

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा द्वारा फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून और ऋण माफी सहित अपनी मांगों के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के मकसद से किसानों के 'दिल्ली चलो' आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। इस आंदोलन के चौथे दिन शुक्रवार को ताजा टकराव देखने को मिला। गतिरोध के बीच केंद्रीय मंत्री और किसान नेता चौथे दौर की वार्ता के लिए 18 फरवरी को मिलेंगे। दोनों पक्षों के बीच 8, 12 और 15 फरवरी को भी मुलाकात हुई थी लेकिन सभी वार्ता बेनतीजा रही।

पंजाब के किसानों ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी की ओर कूच शुरू किया, लेकिन हरियाणा-पंजाब की शंभू और खनौरी सीमाओं पर सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया।

संदेशखालि हिंसा : बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के प्रमुख अरुण हलदर ने शुक्रवार को कहा कि आयोग ने संदेशखालि में टीएमसी समर्थकों द्वारा महिलाओं के कथित उत्पीड़न के बारे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी गई रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की है। आयोग के एक प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को संदेशखालि का दौरा किया था, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर बलपूर्वक जमीन पर कब्जा करने और यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है।

कानून की शिक्षा सुदूर ग्रामीण भारत में ले जाने की जरूरत : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को यहां कहा कि विधि विश्वविद्यालय की शिक्षा सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक सुलभ जानी चाहिए जिससे छोटे कस्बे के विद्यार्थी इस शिक्षा से वंचित ना रहें।

डाक्टर राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के उद्घाटन के मौके पर चंद्रचूड़ ने कहा, प्रौद्योगिकी ने हमें दूर दराज के विद्यार्थियों तक पहुंचने की क्षमता दी है। विधि शिक्षा में विकास के बावजूद समकालीन विधि शिक्षा व्यवस्था केवल अंग्रेजी बोलने वाले शहरी बच्चों का पक्ष लेती है। उन्होंने कहा, पांच विधि विश्वविद्यालय में विविधता को लेकर किए गए सर्वेक्षण से पता चलता है कि अंग्रेजी नहीं बोल पाने की वजह से विविध पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चे इन विश्वविद्यालयों में दाखिला नहीं ले पाते।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चंद्रचूड़ ने कहा, आज भाषिणी सॉफ्टवेयर की मदद से हमने 1950 से 2024 तक उच्चतम न्यायालय के करीब 36,000 फैसलों का अनुवाद किया है। इसका उद्देश्य ऐसे हर नागरिक तक इन्हें पहुंचाना है जो अंग्रेजी नहीं जानते और जनपद न्यायालयों में वकालत करते हैं ।

उन्होंने कहा, यहां तक कि मूट कोर्ट, इंटर्नशिप और प्रतियोगिता जैसे अवसर भी पारंपरिक ढंग से सभ्रांत परिवार से आने वाले बच्चों को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए। विधि कालेज और विश्वविद्यालयों को विविध पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों को ध्यान में रखकर इसे डिजाइन करना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने डाक्टर राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय प्रशासन से अपील की कि पढ़ाई का माध्यम हिंदी रखा जाना चाहिए ताकि उत्तर प्रदेश से सर्वोत्तम विद्यार्थी, सर्वोत्तम अधिवक्ता बनें। इनमें से कई इलाहाबाद उच्च न्यायालय और कई जनपद न्यायालयों में वकालत करेंगे।

इनसैट-3 डीएस मौसम उपग्रह के प्रक्षेपण की उल्टी गिनती शुरू

चेन्नई/भाषा। मौसम उपग्रह इनसैट-3 डीएस के प्रक्षेपण की उल्टी गिनती शुक्रवार को शुरू हो गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सोलहवें मिशन के तहत प्रक्षेपण यान जीएसएलवी-एफ14 की उड़ान शनिवार शाम 5.35 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से निर्धारित है। इनसैट-3 डीएस उपग्रह भूस्थैतिक कक्षा में स्थापित किए जाने वाले तीसरी पीढ़ी के मौसम विज्ञान उपग्रह का अनुवर्ती मिशन है, और यह पूरी तरह से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है। इसरो ने कहा, ''जीएसएलवी-एफ14/इनसैट-3डीएस मिशन: 17 फरवरी, 2024 को 17.35 बजे प्रक्षेपण के लिए 27.5 घंटे की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।''

रूस में विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में मौत हुई

मॉस्को/एपी। रूस की जेल एजेंसी ने कहा कि जेल में बंद विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत हो गई है। वह 47 वर्ष के थे। नवलनी को सरकार में भ्रष्टाचार और रूसी शासन प्रतिष्ठान क्रेमलिन के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के लिए जाना जाता था। संघीय जेल सेवा ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को टहलने के बाद नवलनी को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत महसूस हुई और वह बेहोश हो गए। इसने कहा कि नवलनी की मदद के लिए एक एंबुलेंस पहुंची, लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को नवलनी की मौत की सूचना दे दी गई है और जेल सेवा मानक प्रक्रियाओं के अनुरूप जांच की जा रही है।

आयकर विभाग ने कांग्रेस के बैंक खातों को 'फ्रीज' किया

अपीलीय अधिकरण ने रोक हटाई

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने 210 करोड़ रुपये की रिकवरी की मांग का हवाला देते हुए कांग्रेस के प्रमुख खाते 'फ्रीज' कर दिए, हालांकि बाद में आयकर अपीलीय अधिकरण ने अगले सप्ताह सुनवाई होने तक उसके खातों पर से रोक हटा दी। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की घोषणा से कुछ हफ्ते पहले खातों पर लगी रोक को 'लोकतंत्र पर तालेबंदी' करार दिया और कहा कि अगर यह रोक नहीं हटती तो उसकी राजनीतिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती थीं। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने दावा किया कि आयकर विभाग और अपीलीय अधिकरण ने कहा है कि पार्टी को बैंक खातों में 115 करोड़ रुपये की राशि जमा कराए रखनी होगी और इससे ऊपर की राशि ही खर्च की जा सकती है उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, हमारी याचिका पर आयकर विभाग और आयकर अपीलीय अधिकरण ने कहा है कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि 115 करोड़ रुपये बैंक खातों में रखे जाएं... हम उससे ऊपर की राशि ही खर्च कर सकते हैं।

महादेव ऐप धोखाधड़ी में ईडी ने एक को पकड़ा

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन बुक के संचालन में उनकी भूमिका के लिये पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत को नीतीश दीवान को गिरफ्तार किया है। ईडी की विज्ञप्ति के अनुसार यह गिरफ्तारी गुरुवार को की गयी। नीतीश दीवान को पीएमएलए विशेष न्यायालय, रायपुर के समक्ष पेश किया गया।

न्यायालय ने उसे 24 फरवरी तक के लिये ईडी हिरासत में रखने की अनुमति दी है। महादेवा ऐप धोखाधड़ी का मामला छत्तीसगढ़ विधानसभा के पिछले चुनाव के समय गरमाया था।

हल्द्वानी दंगा के वांछितों के पुलिस ने जारी किये पोस्टर

नैनीताल/एजेन्सी। उत्तराखंड की नैनीताल पुलिस ने हल्द्वानी दंगा के वांछितों के शुक्रवार को पोस्टर जारी कर दिये। इनमें मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक और उसका पुत्र अब्दुल मोइद भी शामिल है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीएस मीणा के अनुसार विगत आठ फरवरी को बनभूलपुरा के मलिक के बगीचे से सरकारी भूमि पर से अतिक्रमण हटाने के दौरान दंगाइयों ने पत्थरबाजी, आगजनी के साथ ही हिंसक रूप अख्तियार कर लिया था। इसमें पांच लोगों की मौत हो गयी थी और 100 से अधिक पुकिसकर्मी, अधिकारी और मीडियाकर्मी घायल हो गये थे। पुलिस अभी तक 42 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर चुकी है। नौ प्रमुख साजिशकर्ता अभी फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिये लगातार दबिश दे रही है। पुलिस ने सभी नौ वांछितों के पोस्टर जारी किये हैं। हल्द्वानी शहर में सभी वांछितों के जगह जगह पोस्टर लगाये हैं। जनता से इनके बारे में सूचना देने की अपील की गयी है। इन वांछितों में अब्दुल मलिक (मुख्य साजिशकर्ता), उसका पुत्र अब्दुल मोइद, तस्लीम पुत्र साबिर कुरैशी, वसीम उर्फ हप्पा पुत्र अनीस सिद्दीकी, अयाज अहमद पुत्र शकील अहमद उर्फ हाफिज, रईस उर्फ दत्तू पुत्र रफीक अहमद, शकील असांरी पुत्र जीमल अहमद, मौकिन सैफी पुत्र नईम सैफी और जिया उल रहमान पुत्र अखलाक हुसैन शामिल हैं।

विकसित भारत के लिए विकसित राजस्थान का निर्माण बहुत जरूरी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राजस्थान से जुड़ी 17,000 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विकास परियोजनाओं का डिजिटल माध्यम से लोकार्पण और शिलान्यास किया और कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित राजस्थान का निर्माण बहुत जरूरी है।

मोदी ने 'विकसित भारत-विकसित राजस्थान' कार्यक्रम को वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए संबोधित करने से पहले रिमोट दबाकर इन परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। उन्होंने सड़क, रेलवे, सौर ऊर्जा, विद्युत पारेषण, पेयजल तथा पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित राजस्थान का निर्माण बहुत जरूरी है। मोदी ने कहा, आज राजस्थान के विकास के लिए करीब 17 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। ये परियोजनाएं रेल, सड़क, सौर ऊर्जा, पानी और रसोई गैस जैसे विकास कार्यक्रमों से जुड़ी हैं। ये परियोजनाएं राजस्थान के हजारों युवाओं को रोजगार देने वाली हैं। मैं इन परियोजनाओं के लिए राजस्थान के सभी साथियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री 8-लेन दिल्ली-मुंबई ग्रीन फील्ड अलाइनमेंट (एनई-4) के तीन 'पैकेजों' ...बौंली-झालाई रोड से मुई गांव खंड, हरदेवगंज गांव से मेज नदी खंड और तकली से राजस्थान, मध्य प्रदेश सीमा तक के खंड का उद्घाटन किया। इसके अनुसार ये खंड वन्यजीवों के निर्बाध आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए छलावरण के साथ पशु अंडरपास और पशु ओवरपास से लैस हैं। इसके साथ ही वन्यजीवों पर ध्वनि प्रभाव को कम से कम करने के लिए ध्वनि अवरोधकों का भी प्रावधान किया गया है। इनसे इलाके में तेज और बेहतर संपर्क उपलब्ध होगा। इसी तरह प्रधानमंत्री ने काया गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-48 के दक्षिणपुर-शामलाजी खंड के साथ देबारी में एनएच-48 के चित्तौड़गढ़-उदयपुर राजमार्ग खंड को जोड़ने वाले 6-लेन ग्रीनफील्ड उदयपुर बाईपास का उद्घाटन किया। यह बाईपास उदयपुर शहर की भीड़भाड़ कम करने में सहायक होगा। प्रधानमंत्री ने झुंझुनू, आबू रोड और टोंक जिलों में सड़क आधारभूत अवसंरचना में सुधार की कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में रेल अवसंरचना को मजबूत करते हुए लगभग 2,300 करोड़ रुपये की राजस्थान की आठ महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं और उनकी आधारशिला रखी। राष्ट्र को समर्पित की गई इन रेल परियोजनाओं में जोधपुर-रायका बाग-मेड़ता रोड-बीकानेर खंड (277 किलोमीटर), जोधपुर-फलोदी सेक्शन (136 किलोमीटर) और बीकानेर-रतनगढ़-सादुलपुर-रेवाड़ी सेक्शन (375 किलोमीटर) सहित रेल मार्गों के विद्युतीकरण के लिए विभिन्न परियोजनाएं शामिल हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री ने जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इस रेलवे स्टेशन को जयपुर के लिए एक 'सेटेलाइट' स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है और यह टर्मिनल सुविधा से लैस है जहां ट्रेनें शुरू और समाप्त हो सकती हैं।

प्रधानमंत्री ने भगत की कोठी (जोधपुर) में वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की रखरखाव सुविधा, खातीपुरा (जयपुर) में वंदे भारत, एलएचबी आदि सभी प्रकार के रेकों का रखरखाव, हनुमानगढ़ में ट्रेनों के रखरखाव के लिए कोच केयर कॉम्प्लेक्स का निर्माण और बांदीकुई से आगरा फोर्ट रेल लाइन का दोहरीकरण जैसी रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी। रेलवे क्षेत्र की इन परियोजनाओं का उद्देश्य रेल अवसंरचना का आधुनिकीकरण, सुरक्षा उपायों को बढ़ाना, संपर्क सुविधाओं में सुधार करना तथा माल और लोगों की आवाजाही को अधिक कुशलता के साथ सुविधाजनक बनाना है।

इसी तरह प्रधानमंत्री ने नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देने के एक कदम के रूप में राजस्थान में लगभग 5,300 करोड़ रुपये की कई महत्वपूर्ण सौर परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने राजस्थान के बीकानेर जिले में बरसिंगसर थर्मल पावर स्टेशन के आसपास स्थापित होने वाली 300 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना एनएलसीआईएल बरसिंगसर सौर परियोजना की आधारशिला रखी।

मोदी ने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसयू) योजना चरण-2 (भाग-3) के तहत एनएचपीसी लिमिटेड की 300 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना की आधारशिला भी रखी जिसे बीकानेर राजस्थान में विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने बीकानेर, राजस्थान में विकसित 300 मेगावाट की एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड नोखरा सोलर पीवी परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित की। ये सौर परियोजनाएं हरित ऊर्जा उत्पन्न करेंगी, कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को ऑफसेट करने में मदद करेंगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास का नेतृत्व करेंगी।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान में 2100 करोड़ रुपये से अधिक की विद्युत पारेषण क्षेत्र की परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। ये परियोजनाएं राजस्थान में सौर ऊर्जा क्षेत्रों से बिजली की निकासी के लिए हैं ताकि इन क्षेत्रों में उत्पादित सौर ऊर्जा को लाभार्थियों तक पहुंचाया जा सके। साथ ही प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत परियोजनाओं सहित लगभग 2,400 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी जिसका उद्देश्य राजस्थान में स्वच्छ पेयजल प्रदान करने के लिए अवसंरचना को मजबूत बनाना है।

प्रधानमंत्री ने जोधपुर में इंडियन ऑयल के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट को राष्ट्र को समर्पित किया। संचालन और सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक अवसंरचना और स्वचालन प्रणाली के साथ, इस बॉटलिंग प्लांट से रोजगार सृजन होगा और इस क्षेत्र में लाखों उपभोक्ताओं की एलपीजी जरूरतों को पूरा करेगा। विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्यक्रम राजस्थान के सभी जिलों में लगभग 200 स्थानों पर आयोजित किया गया। मुख्य कार्यक्रम जयपुर में हुआ जहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल हुए।

सड़क हादसे में दो दंपतियों सहित पांच की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बीकानेर जिले में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में गुजरात के दो दंपतियों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) प्यारेलाल शिवरान ने बताया कि हादसा नोखा थाना क्षेत्र में अमृतसर-जामनगर राजमार्ग पर उस समय हुआ जब एक वाहन (स्कॉर्पियो) आगे चल रहे वाहन में जा टकराया। हादसे में स्कॉर्पियो में सवार पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान गुजरात के डॉ. प्रतीक, उनकी पत्नी हेतल, गुजरात में ही नर्सिंग अधिकारी पूजा व उनके पति कर्ण के रूप में हुई है। इसके अलावा, हादसे में प्रतीक-हेतल की डेढ़ साल की बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी के अनुसार, ये सभी लोग कश्मीर से गुजरात के कच्छ लौट रहे थे तभी सुबह लगभग चार बजे यह हादसा हुआ। पीड़ितों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

झालावाड़ में कुएं में मिला नाबालिग लड़की का शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के झालावाड़ जिले में लापता एक नाबालिग लड़की का शव उसके घर के पास एक कुएं में मिला। भवानी मंडी पुलिस थाने के प्रभारी मांगीलाल यादव ने शुक्रवार को बताया कि लड़की मंगलवार को तड़के अपने घर के पास खुले में शौच के लिए गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। नाबालिग की पहचान झालावाड़ के भवानी मंडी थाना क्षेत्र के नारायणखेड़ा गांव की निवासी कोमल (14) के रूप में हुई है। यादव ने बताया कि पुलिस ने उसके परिवार की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363 के तहत मामला दर्ज किया और तलाशी अभियान शुरू किया था।

थाना प्रभारी ने बताया कि यह जांच का विषय है कि यह मामला आत्महत्या, हत्या या फिर दुर्घटना का है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार को सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया और मामले में जांच शुरू कर दी है।

जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर सुरक्षा जांच एजेंसियों ने संयुक्त रूप से हवाई अड्डे की सघन जांच की। हवाई अड्डा थानाधिकारी ममता मीणा ने बताया कि हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी हवाई अड्डे के आधिकारिक ईमेल पर दी गई थी। साइबर प्रकोष्ठ मेल भेजने वाले के बारे में पता लगाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस, बम निरोधक दस्ता, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और श्वान दस्ते के सहयोग से हवाई अड्डे पर जांच की गई। जांच के दौरान हवाई अड्डा परिसर में कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली।

मोदी के नेतृत्व में तेजी से विकसित हो रहा है भारत : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनके नेतृत्व में भारत तेजी से विकसित हो रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब व्यक्ति को अपनी योजनाओं के केंद्र में रखकर उस तक लाभ पहुंचाने का गंभीर प्रयास किया है। शर्मा यहां 'विकसित भारत-विकसित राजस्थान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। शर्मा ने कहा,देश में गरीबी हटाओ के नारे तो बहुत लोगों ने दिए थे, लेकिन वे महज नारे ही बनकर रह गए .. वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब व्यक्ति को अपनी योजनाओं के केंद्र में रखकर उस तक लाभ पहुंचाने का गंभीर प्रयास किया है।

शर्मा ने कहा कि नई नीतियां तथा उन्हें धरातल पर उतारने की ईमानदार कोशिश से देश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले सरकार की ओर से एक रुपया भेजा जाता था, तो कहते थे कि लाभार्थी तक 15 पैसे पहुंचते हैं, लेकिन इस लीकेज को रोकने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने 50 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोलकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए लाभार्थियों तक पेंशन और सब्सिडी की राशि पहुंचाने का अभूतपूर्व कदम उठाया।

उन्होंने कहा कि अब 100 पैसे भेजे जाने पर लाभार्थी तक पूरे 100 पैसे पहुंचते हैं, अब उनका हक कोई नहीं खाता। मोदी ने इस अवसर पर लगभग 17,000 करोड़ रुपये के परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। शर्मा ने कहा कि इन विकास कार्यों के माध्यम से राजस्थान के बुनियादी ढांचे व ऊर्जा परिदृश्य का कायाकल्प होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकसित हो रहा है और आज पूरी दुनिया में हमारे देश के सम्मान व प्रतिष्ठा में इजाफा हो रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सफलता के नए कीर्तिमान

स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के कारण भारत की 'डिजिटल इकोनॉमी' व यूपीआई की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है और आज देश की अर्थव्यवस्था में दुनिया की बेहतरीन संस्थाएं अपना विश्वास जता रही हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री ने जो मार्ग प्रशस्त किया है उससे पूरी दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि 95 लाख आयुष्मान भारत कार्ड की ईकेवाईसी कर प्रदेश पहले नंबर पर रहा है और 15 लाख 30 हजार नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आठ लाख पंजीयन कर पीएम उज्ज्वला योजना में राजस्थान पहले स्थान पर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हम अपनी गारंटियों के प्रति गंभीर हैं और एक-एक कर वादे पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा,राजस्थान भाजपा ने गरीब परिवार की बहनों को 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने की गारंटी दी थी। इस गारंटी को भी पूरा किया जा चुका है। इससे राजस्थान की लाखों बहनों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा,पिछली सरकार के दौरान जल जीवन मिशन में हुए घोटालों का राजस्थान को बहुत नुकसान हुआ है। अब इस पर तेजी से काम शुरू हो चुका है। आज भी हर घर जल पहुंचाने के लिए अनेक परियोजनाएं राजस्थान को मिली हैं। राजस्थान के किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तहत छह हजार रुपये पहले से मिल रहे थे। अब भाजपा सरकार ने वहां इसमें दो हजार रुपये की बढ़ोतरी और कर दी है।

हनुमानगढ़ में बंद के दौरान किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ी, प्रदेश के तीनों सीमावर्ती जिले सील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। किसान संगठनों के भारत बंद के आह्वान के चलते प्रदेश में पंजाब और हरियाणा से लगने वाली सीमाओं को सील कर दिया गया है। सीमावर्ती तीनों जिलों गंगानगर, अनूपगढ़ और हनुमानगढ़ में मोबाइल इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी गई हैं। श्रीगंगानगर में साधुवाली को छोड़कर बाकी इलाके में किसान इकट्ठे नहीं हैं। साधुवाली में करीब 200 किसानों के इकट्ठा होने की उम्मीद है। तीनों जिलों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

हनुमानगढ़ में बंद के दौरान किसानों ने पीएम मोदी के वर्चुअल कार्यक्रम का विरोध करने के लिए बैरिकेडिंग तोड़ दी। किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया, इससे एक किसान के सिर में चोट लग गई। किसान महापंचायत की ओर से शुक्रवार को बूंदी में किसान संगठनों की बुलाई बैठक में निर्णय लिया गया है कि 21 तारीख को राजस्थान से किसान ट्रैक्टर के जरिए दिल्ली कूच करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने बताया कि पहले किसान जयपुर पहुंचेंगे यहां सीएम से मिलेंगे और उन्हें भी अपने साथ दिल्ली चलने का न्योता देंगे। उन्होंने कहा कि एमएसपी को लेकर सभी किसान एकजुट हैं।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजस्थान को 17 हजार करोड़ रुपए की विकास योजनाओं की सौगात देने के कार्यक्रम में राजभवन से वर्चुअली भाग लिया। बाद में मिश्र ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि 17 हजार करोड़ रुपए की रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेयजल, पेट्रोलियम सहित अन्य विभागों से संबद्ध विकास योजनाओं के राजस्थान में क्रियान्वित होने से आने वाले समय में प्रदेश तेजी से विकास की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि इतने बड़े रूप में विकास योजनाओं से यहां सर्वांगीण विकास की राहें खुलेगी युवाओं को भी बड़ी संख्या में रोजगार मिल सकेगा।

क्रीड़ा भारती की ओर से 108 सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' का आयोजन

जयपुर। राजस्थान में क्रीड़ा भारती की ओर से गुरुवार और शुक्रवार को राजस्थान के सभी जिलों में सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। आयोजन में सभी आयु वर्ग के लाखों लोगों ने भाग लेकर स्वयं के स्वास्थ्य के साथ राष्ट्र का स्वास्थ्य अच्छा रखने का संकल्प लिया। स्वस्थ भारत- समर्थ भारत की कल्पना को साकार करते हुए शुक्रवार को जयपुर के अल्बर्ट हाल, रामनिवास बाग में 108 सूर्य नमस्कार करने वाले साधकों का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में आठ वर्ष से लेकर 67 वर्ष की आयु तक के व्यक्तियों ने 108 बार सूर्य नमस्कार बिना रुके एक ही बार में पूरे कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।

इस अवसर पर जयपुर प्रांत के सह संघचालक डॉ. हेमंत सेठिया ने कहा कि एक स्वस्थ्य व्यक्ति से ही स्वस्थ्य समाज बनता हैं और स्वस्थ्य समाज से स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। इसी संकल्पना को ध्यान में रखकर क्रीड़ा भारती पूरे देश भर में स्वास्थ्य और खेलों पर कार्य कर रही है। उन्होंने सभी से 'नागरिक अनुशासन' का पालन करने और प्लास्टिक का उपयोग बंद करने संकल्प लेने का आह्वान भी किया। क्रीडा भारती के प्रदेश संयोजक मेघ सिंह चौहान ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए क्रीड़ा भारती के प्रयासों एवं सूर्य नमस्कार के लाभ बताए और इसे दिनचर्या का अंग बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम, डॉ. सौम्या गुर्जर सहित अन्य कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

भाजपा के इशारे पर केंद्रीय एजेंसियों ने कांग्रेस के बैंक खाते सील किये : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर केंद्रीय एजेंसियों ने कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों को सील कर दिया है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भाजपा के इशारे पर केंद्रीय एजेंसियों ने कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों को सील कर दिया है। चुनावी बॉन्ड घोटाला कर अपने बैंक खातों को भरने वाली भाजपा का डर जब कांग्रेस के नेताओं को 'तोड़कर' भी खत्म नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी की गतिविधियों को रोकने के लिए ऐसा तुच्छ कदम उठाया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी भाजपा की तरह सिर्फ धनबल से नहीं चलती है। ये बैंक खाते तो न्यायिक प्रक्रिया से रिकवर हो ही जाएंगे परन्तु भाजपा का अलोकतांत्रिक चेहरा और पूरे देश में एक ही पार्टी का शासन रखने की फासीवादी सोच अब पूरी तरह उजागर होती जा रही है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, देश की जनता को समझना चाहिए जब भाजपा की गलत नीतियों का विरोध करने पर सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के साथ इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधियां की जा सकती हैं तो ये तानाशाही सोच वाली सरकार आम लोगों के साथ किस प्रकार का व्यवहार कर सकती है? उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि आयकर विभाग ने उसके प्रमुख बैंक खाते फ्रीज कर दिए, हालांकि बाद में आयकर अपीलीय अधिकरण ने अगले सप्ताह सुनवाई होने तक उसके खातों पर से रोक हटा दी। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, कमीशनखोरी से पार्टी फंड भाजपा भरे, असंवैधानिक तरीके से धन भाजपा बटोरे और बैंक खाते कांग्रेस के फ्रीज करे। उन्होंने कहा, देश में ना लोकतंत्र सुरक्षित है और ना ही संवैधानिक व्यवस्था!

सिद्दरामैया ने 'बजट प्रस्तुति को बाधित करने' को लेकर भाजपा की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को विपक्षी भाजपा और जद (एस) पर उनके बजट को 'कुछ नहीं' कहकर मजाक उड़ाने और विधानसभा से बहिर्गमन करने को लेकर निशाना साधा। भाजपा विधायक 'कुछ नहीं है, कुछ भी नहीं है, सिद्दरामैया के बजट में' गाते हुए विधानसभा से बाहर चले गए। उन्होंने बजट को प्रतिगामी बताया और कहा कि यह राज्य को 20 साल पीछे धकेल सकता है। वित्त विभाग संभालने वाले मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में विपक्ष द्वारा बजट का बहिष्कार करने का कोई उदाहरण नहीं है। मुख्यमंत्री ने बजट पेश करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'बजट के दौरान वॉकआउट का ऐसा कोई उदाहरण नहीं है ... 3.71 लाख करोड़ रु. का बजट पेश किया गया, लेकिन फिर भी वे (भाजपा) 'कुछ नहीं, कुछ नहीं' कहते हैं। इसका मतलब है कि उनके दिमाग में 'कुछ नहीं' है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा नेता लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था में विश्वास नहीं करते हैं और वे राजनीतिक रूप से रिक्त हो गए हैं। उन्होंने दावा किया, वे बजट को पूर्वाग्रह युक्त दृष्टि से देख रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विधायक बजट का विरोध करने की योजना बनाकर आए थे। सिद्दरामैया ने कहा, 'मैं यह नहीं कहता कि उन्हें राजनीति नहीं करनी चाहिए, लेकिन राजनीतिक टिप्पणियां स्वस्थ होनी चाहिएं। वे सिर्फ टिप्पणी करने के लिए टिप्पणी करते हैं। वे बजट न सुनने की योजना के साथ आए थे। मैंने राज्य की वर्तमान स्थिति बताई, जो उन्हें हजम नहीं हुई। वे सच्चाई का सामना नहीं कर सकते।'उन्होंने धन आवंटन में कर्नाटक के साथ कथित अन्याय को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने नहीं बोलने के लिए भाजपा सांसदों की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने केंद्र से धन जारी करने के लिए कहा।

यह कर्नाटक से एकत्रित कर का पैसा है। यह केंद्र का पैसा नहीं है, लेकिन पांच महीने के सूखे के बाद भी आज तक एक रुपया जारी नहीं किया गया है।' उनके अनुसार, 15वें वित्त आयोग ने कर्नाटक को 5495 करोड़ रुपए के साथ-साथ बेंगलूरु के विकास के लिए 6000 करोड़ रुपए की सिफारिश की थी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2023-24 में अपर भद्रा परियोजना के लिए 5300 करोड़ रुपए की भी घोषणा की थी। सिद्दरामैया ने कहा कि उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्रियों बीएस येडियुरप्पा और बसवराज बोम्मई से केंद्र से इस पर दावा करने को कहा था। वे मोदी और सीतारमण से पूछने के बजाय उन पर ही गुस्सा हो गए।

भाजपा और जद (एस) ने 'प्रतिगामी' बजट के लिए सिद्दरामैया की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) के सदस्यों ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा से बहिर्गमन किया और कांग्रेस सरकार द्वारा पेश 'किसान विरोधी' और 'महिला विरोधी' बजट के खिलाफ महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन किया। विपक्षी विधायकों ने विधानसभा सदन के सामने बजट के खिलाफ नारेबाजी की और दावा किया कि यह दिखाता है कि राज्य का खजाना खाली है। उन्होंने लयबद्ध होकर गाना गया, इनिल्ला, इनिल्ला, सिद्दरामैयाहना बजटइनाल्लि इनिल्ला (अर्थात सिद्दरामैया के बजट में कुछ नहीं है)।

भाजपा के कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने संवाददाताओं से कहा कि वित्तविभाग भी संभाल रहे मुख्यमंत्री सिद्दरामैया द्वारा पेश बजट किसान विरोधी है, इसमें राज्य के विकास के लिए कुछ नहीं है और यह राज्य को 20 साल पीछे ले जाएगा। विजयेंद्र ने कहा, अगर मुझे एक वाक्य में कहना हो तो सिद्दरामैया ने अपनी जिम्मेदारी से बचने और अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए अपना समय बर्बाद किया है।

उन्होंने बजट की शुचिता को नष्ट कर दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बजट में उत्तरी कर्नाटक के लिए एक रुपया तक नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसान राज्य में गंभीर सूखे की वजह से संकटग्रस्त हैं। शिकारीपुरा से विधायक विजयेंद्र ने कहा, वे (किसान) बजट से कुछ राहत की उम्मीद कर रहे थे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसमें महिलाओं के लिए भी कोई राहत नहीं है।

उन्होंने कहा कि सिद्दरामैया ने पार्टी के घोषणापत्र में बुनकरों के बारे में बात की थी लेकिन बजट में उनका उल्लेख तक नहीं किया, कोई परियोजना की घोषणा तो दूर की बात है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने घोषणापत्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का मासिक वेतन बढ़ाने का वादा किया था, जिसका बजट में उल्लेख तक नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, इस बजट ने अजा/अजजा समुदाय समेत सभी को निराश किया है। यह राज्य के विकास में सहायक नहीं होगा। इतने भीषण सूखे के बावजूद मुख्यमंत्री ने कर्ज माफी की कोई घोषणा नहीं की। इसे काला दिन कहना गलत नहीं होगा क्योंकि इससे समाज के किसी भी वर्ग को कोई फायदा नहीं हुआ।

भाजपा विधायकों के साथ मौजूद पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा, सिद्दरामैया ने इस बजट के माध्यम से कर्नाटक के 'विनाशकाल' की नींव रखी है। उन्होंने (राज्य के) सात करोड़ लोगों के खिलाफ अपना गुस्सा निकाला है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने कहा कि यह बजट कर्नाटक को 'पाकिस्तान की तरह दिवालिया' कर देगा। हालांकि, पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक एसटी सोमशेखर ने बेंगलूरु के लिए बजट के प्रावधानों की सराहना की।

फर्जी खबरों से निपटने और दंगाइयों पर कार्रवाई के लिए बनेगी नई इकाई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को कहा कि फर्जी खबरें फैलाकर समाज में असुरक्षा और भय पैदा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से एक सूचना विकार निपटान इकाई का गठन किया जाएगा। विधानसभा में वर्ष 2024-25 का बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार दंगों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। सिद्दरामैया ने कहा, जैसा कि राष्ट्रकवि कुवेम्पु ने वर्णित किया है, हमारा राज्य कर्नाटक सभी समुदायों के लिए शांति का उद्यान है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों वर्षों से, विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और समुदायों के लोग इस भूमि में सद्भाव से रह रहे हैं। इसलिए हमारी सरकार जाति, धर्म और भाषा के नाम पर दंगा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

इन्फॉर्मेशन डिसऑर्डर ट्रैकिंग यूनिट पर उन्होंने कहा कि गृह विभाग में एक विशेष सेल यूनिट बनाई जाएगी, जो फर्जी खबरें फैलाकर समाज में असुरक्षा और भय पैदा करने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए सशक्त होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फर्जी खबरों और अन्य साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के मद्देनजर, निर्दोष लोगों को धोखा देने वालों के खिलाफ जांच करने और प्रभावी कार्रवाई करने के लिए राज्य में साइबर अपराध शाखा को मजबूत करने के उद्देश्य से 43 सीईएन (साइबर, आर्थिक और नारकोटिक्स) पुलिस स्टेशनों को अपग्रेड किया जाएगा। राज्य की सभी जेलों में सुचारु प्रशासन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पांच करोड़ रुपए की लागत से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर, बैगेज स्कैनर और अन्य अत्याधुनिक उपकरण खरीदे जाएंगे। उन्होंने कहा कि शिवमोग्गा जिले में 100 करोड़ रुपए की लागत से उच्च सुरक्षा वाली जेलों का निर्माण किया जाएगा। अग्निशमन और आपातकालीन विभाग की दक्षता बढ़ाने के लिए, कर्नाटक अग्निशमन बल अधिनियम, 1964 के अनुसार नवनिर्मित बहुमंजिला इमारतों के संपत्ति कर पर एक प्रतिशत उपकर लगाया जाएगा।

पुलिस गृह-2025 योजना के तहत अब तक 1128 पुलिस क्वार्टरों का निर्माण किया जा चुका है और 800 करोड़ रुपए की लागत से 2956 पुलिस क्वार्टरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना के लिए वर्ष 2024-25 में 200 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए जाएंगे। जिन पुलिस स्टेशनों और कार्यालयों में भवन नहीं हैं, उनके लिए 30 करोड़ रुपए की लागत से स्वयं के भवन का निर्माण किया जाएगा और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं की मोबाइल फोरेंसिक और ऑडियो-विजुअल शाखा को मजबूत करने के लिए आवश्यक उपकरण और सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्वदेशी ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ डिजिटल इंडिया की सुरक्षा का नेतृत्व करेगा आईटीआई लि.

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने भारओएस-सक्षम डिजिटल उपकरणों और सेवाओं के निर्माण और सुविधा प्रदान करने के लिए जेएंडके ऑपरेशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य डिजिटल इंडिया के डिजिटल सुरक्षा बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए मोबाइल, राउटर, टैबलेट और अन्य सहित भारओएस-सक्षम डिजिटल उपकरणों का निर्माण करना है।

भारओएस उपयोगकर्ताओं को उनके डिजिटल इंटरैक्शन की इंटीग्रिटी सुनिश्चित करते हुए भरोसेमंद वातावरण उपलब्ध कराता है। इस साझेदारी के साथ, आईटीआई लि. डेटा सुरक्षा और उपयोगकर्ता गोपनीयता को प्राथमिकता देते हुए भारत के डिजिटल परिदृश्य को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'भारओएस के साथ हमारा सहयोग डिजिटल इंडिया के सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के मिशन में महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारओएस की उन्नत सुरक्षा सुविधाओं को एकीकृत करके हमारा लक्ष्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराना है, जो उपयोगकर्ता की गोपनीयता और डेटा सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं।'

जेएंडके ऑपरेशंस प्रा.लि. के सीईओ कार्तिक अय्यर ने कहा, 'हम डिजिटल डोमेन में नवाचार और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए यह साझेदारी करके रोमांचित हैं। भारओएस की स्वदेशी तकनीक, आईटीआई लि. की विनिर्माण क्षमता के साथ मिलकर भारत में एक सुरक्षित और अधिक लचीले डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का मार्ग प्रशस्त करेगी।'

भारतनेट, डिजिटल जनगणना, रक्षा, केंद्रीय पुलिस बल जैसी राष्ट्रीय महत्व की डिजिटल पहल को अब भारओएस द्वारा संरक्षित किया जा सकता है। बताया गया कि डिजिटल समावेशिता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के साझा दृष्टिकोण के साथ आईटीआई लि. भारओएस के साथ आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस सरकार ने हनुमान के 'जन्म स्थल' के पर्यटन विकास के लिए 100 करोड़ आवंटित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश किया और कहा कि अंजनाद्रि पहाड़ी में पर्यटन के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। कई लोग अंजनाद्रि पहाड़ी को भगवान हनुमान का जन्मस्थान मानते हैं। सिद्दरामैया ने कहा, कोप्पल जिले में स्थित अंजनाद्रि पहाड़ी और आसपास के क्षेत्र पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व रखते हैं। इन क्षेत्रों में पर्यटन विकास के लिए 100 करोड़ रुपये दिये जायेंगे।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह स्थान किष्किंधा के नाम से जाना जाता था और भगवान हनुमान के भक्त यहां आते हैं। यह पहाड़ी सूर्यास्त, आसपास के परिदृश्य और पहाड़ों और चट्टानों के बीच बहती तुंगभद्रा नदी के मनोरम दृश्यों के लिए भी प्रसिद्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस योजना के जरिये फरवरी 2023 के बजट में पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई द्वारा उल्लेखित उस परियोजना को आगे बढ़ाया जा रहा है जिसके तहत पर्यटकों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए अंजनाद्रि पहाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्रों को 100 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जाना था। बोम्मई ने उस समय कहा था कि निविदाएं आमंत्रित की गई हैं।

बस में मोबाइल चोरी करने वाली पांच महिलाएं गिरफ्तार

पीड़ित व्यक्ति व्हाइटफील्ड पुलिस थाने से ले सकते है अपना मोबाइल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महादेवपुरा पुलिस थाने के अधिकारियों ने पांच महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके पास से 30 लाख रुपए मूल्य के अलग अलग कम्पनियों के मोबाइल बरामद किए। इस घटना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्त पी. दयानंद ने बताया कि इस गिरफ्तार की गई महिला गैंग में तीन महिलाएं आंध्रप्रदेश व 2 महिलाएं कर्नाटक प्रदेश से शामिल है। यह महिलाएं बस में मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देती थी।

उन्होंने बताया कि ये गैंग भीड़ से भरी बसों को अपना निशाना बनाती थी। यह महिलाएं भीड़भाड़ वाली बसों में चढ़ती थीं और हाथ की सफाई दिखाकर यात्रियों के बैग व जेबों में रखे मोबाइल निकाल लेती थीं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि पता चला है कि आंध्रप्रदेश से एक व्यक्ति नियमित रुप से आता था और सस्ते दामों में इनसे चोरी के मोबाइल ले जाता था।

पुलिस इस व्यक्ति की भी तलाश कर रही है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि शहर के जिस व्यक्ति का गत दिनों बसों से मोबाइल चोरी हुआ हो वह आवश्यक दस्तावेज के साथ व्हाइटफील्ड पुलिस थाने से या मोबाइल क्रमांक 9480801084 पर सम्पर्क कर अपना खोया मोबाइल वापस पा सकता है।

बेंगलूरु में संपत्तियों को मिलेगा डिजिटल स्वामित्व दस्तावेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को अपने बजट भाषण में कहा कि कर्नाटक सरकार बेंगलूरु में सभी 20 लाख संपत्तियों के संपत्ति कर रिकॉर्ड को डिजिटल बनाने और वित्तीय वर्ष 2024-25 से डिजिटल ई-खाता जारी करने की एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू करेगी। यह देखते हुए कि राज्य की राजधानी चालू वित्त वर्ष में 4300 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड कर संग्रह की ओर बढ़ रही है, जो वर्ष 2022-23 से 1000 करोड़ रुपए अधिक है, सिद्दरामैया ने कहा कि वर्ष 2024-25 में लक्ष्य 6,000 करोड़ रुपए होगा। उन्होंने कहा कि 6,000 करोड़ रुपए के राजस्व का यह लक्ष्य कर संग्रह प्रणाली में लीकेज को रोककर हासिल किया जाएगा। सिद्दरामैया ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष से संशोधित विज्ञापन नीतियों और प्रीमियम फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) नीति के माध्यम से 2000 करोड़ रु. के अतिरिक्त गैर-कर संसाधन जुटाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसाधनों में वृद्धि, यातायात की भीड़ को कम करना, बेंगलूरु में गुणवत्तापूर्ण सड़कों का निर्माण और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति वर्ष 2024-25 में कर्नाटक सरकार के फोकस के क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और राज्य की राजधानी को एक विश्व स्तरीय शहर के रूप में विकसित करने के लिए निवेशकों को आकर्षित करने के लिए ब्रांड बेंगलूरु की संकल्पना की है। विभिन्न क्षेत्रों में बड़े सुधार पेश किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'प्राथमिकता के आधार पर यातायात की भीड़ को कम करने के लिए, सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि 147 किलोमीटर लंबी प्रमुख सड़कों का व्हाइट-टॉपिंग या सीमेंट सड़क निर्माण दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि की कमी और भूमि अधिग्रहण में समस्याओं के कारण मौजूदा सड़कों का चौड़ीकरण मुश्किल था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पृष्ठभूमि में, राज्य सरकार ने भूमिगत सुरंगों का निर्माण करके शहर में यातायात की भीड़ को हल करने का निर्णय लिया है। पायलट आधार पर, इस वर्ष हेब्बल जंक्शन पर एक सुरंग का निर्माण किया जाएगा, जहां यातायात की भीड़ अधिक है। उन्होंने बेंगलूरु में यातायात की भीड़ की ओर ध्यान देने और बड़े पैमाने पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पेरिफेरल रिंग रोड (पीआरआर) को बेंगलूरु बिजनेस कॉरिडोर के रूप में पुनः स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के तहत पीपीपी मॉडल के तहत 27,000 करोड़ रुपए की लागत से 73 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने के लिए अनुरोध प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है। इस प्रोजेक्ट को इसी साल शुरू करने का प्रस्ताव है।

सुविचार

धर्म ही हमारे राष्ट्र की जीवन शक्ति है। यह शक्ति जब तक सुरक्षित है, तब तक विश्व की कोई भी शक्ति हमारे राष्ट्र को नष्ट नहीं कर सकती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आर्थिक राष्ट्रवाद का मार्ग

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा भारतीय उद्योग जगत से 'आर्थिक राष्ट्रवाद' को अपनाने की अपील करना अत्यंत प्रासंगिक है। किसी देश की समृद्धि के साथ ही उसकी संप्रभुता और स्वतंत्रता भी अर्थव्यवस्था पर निर्भर करती हैं। जब अंग्रेज हमारे देश में आए थे तो उनके पास न कोई मजबूत फौज थी और न बड़े घातक हथियार थे। उन्होंने षड्यंत्रपूर्वक हमारी अर्थव्यवस्था पर कब्जा किया, कच्चा माल सस्ते में लिया और नए-नए तरीकों से यहां के उद्योग-धंधों को बर्बाद किया। उसके बाद जो हुआ, वह पूरी दुनिया ने देखा। जब महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व कर रहे थे तो उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं का पुरजोर समर्थन किया था। खुद चरखा चलाया और लोगों को आत्मनिर्भरता का मंत्र दिया। हमें उस दौर को भूलना नहीं चाहिए और न ही उन शिक्षाओं को विस्मृत करना चाहिए, जिनके मूल में हमारे पूर्वजों का बलिदान है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने उचित ही कहा है कि भारत की समृद्धि और संप्रभुता के लिए 'आर्थिक राष्ट्रवाद' को अपनाना अनिवार्य है। उन्होंने गैर-जरूरी वस्तुओं के आयात और कच्चे माल के निर्यात से परहेज करने की भी बात कही - 'हमें केवल उसी वस्तु का आयात करने की जरूरत है, जो अपरिहार्य रूप से आवश्यक है। इससे विदेशी मुद्रा खर्च होती है और रोजगार के अवसर भी बाहर चले जाते हैं।' उन्होंने कच्चे माल के निर्यात के दुष्प्रभावों की ओर भारतीय उद्योग जगत का ध्यान आकर्षित किया, जिसकी आज बड़ी जरूरत है।

निस्संदेह भारत के पास बहुत बड़ा बाजार है, लेकिन हमें अपनी इसी पहचान से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। भारत को उत्पादन संबंधी गतिविधियों का भी सबसे बड़ा केंद्र बनना होगा। आज इंटरनेट सेवा संबंधी विदेशी कंपनियां भारतीय उपयोगकर्ताओं की वजह से फल-फूल रही हैं। विदेश स्थित एक कमरे में छोटा-सा दफ्तर बनाकर यूट्यूब चैनल चलाने वाले लोग हमारी वजह से महीने के लाखों रुपए कमा रहे हैं, चूंकि आज गांव-ढाणियों तक इंटरनेट सेवा पहुंच गई है। क्या ऐसे समय में भारत के पास 'अपना' सर्च इंजन नहीं होना चाहिए? क्या भारत के पास 'अपने' सोशल मीडिया व मैसेजिंग ऐप नहीं होने चाहिएं? ऐसा नहीं है कि इस संबंध में प्रयास नहीं किए गए, लेकिन उन्हें खास प्रोत्साहन नहीं मिला। वे विदेशी कंपनियों से टक्कर लेने में समर्थ नहीं हो पाए। उनका बिजनेस मॉडल ऐसा नहीं बन पाया, जो लंबी अवधि तक बाजार में टिक सके। इसका नतीजा यह हुआ कि जो ऐप कंपनियां धूमधाम से शुरू हुई थीं, बाद में उन्हें अपना अस्तित्व बचाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। इसके मद्देनजर संबंधित सेवा प्रदाताओं को भरपूर तैयारी के साथ मैदान में आना होगा। चाहे इसमें कुछ समय और लग जाए, लेकिन मजबूत बुनियाद के साथ आएंगे तो उसका करिश्मा दुनिया देखेगी। इसके कुछ उत्कृष्ट उदाहरण मौजूद हैं। आज डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में यूपीआई का लोहा दुनिया मान रही है। इसरो ने चंद्र और सौर मिशन में सफलता की पताका फहरा दी है। इसी तरह संवाद ऐप आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल है। डीआरडीओ ने इसका सिक्योरिटी टेस्ट लिया और इसे टीएएल4 के लिए क्लियर किया है। अगर विभिन्न सेवाओं के लिए इस तरह के अन्य ऐप बनाए जाएं तो इंटरनेट के भारतीयकरण में आसानी होगी। चीन और रूस ने बहुत पहले ही इस संबंध में प्रयास करने शुरू कर दिए थे। वहां ऑनलाइन सर्च, ईमेल, मैसेजिंग, शॉपिंग ... जैसी जरूरतों के लिए स्वदेशी ऐप्स का बोलबाला है। खासकर, चीन इस बात को लेकर बेहद सजग रहता है कि उसका डेटा विदेशी कंपनियों के पास न जाए, क्योंकि इससे किसी-न-किसी रूप में दुरुपयोग की आशंका बनी रहती है। भारतवासियों को 'आर्थिक राष्ट्रवाद' का मार्ग अपनाते हुए देश को शीर्ष अर्थव्यवस्था बनाने के लिए अपने स्तर पर दृढ़ता से प्रयास करने होंगे।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस के साथ एक बहुत बड़ी समस्या ये है कि वो दूरगामी सोच के साथ सकारात्मक नीतियां नहीं बना सकती। कांग्रेस न भविष्य को भांप सकती है और न ही भविष्य के लिए उसके पास कोई रोड मैप है। कांग्रेस की इसी सोच के कारण भारत अपनी बिजली व्यवस्था को लेकर बदनाम रहता था।

-नरेन्द्र मोदी

विद्याधर नगर स्टेडियम में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन को सुना। इस दौरान उन्होंने राजस्थान की सभी विधानसभाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने राजस्थान में 17 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास भी किया।

-दीया कुमारी

दिल्ली पुलिस के वीर जवानों और उनके परिजनों को 77वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। अपने शौर्य, साहस और समर्पण भाव से दिल्ली पुलिस ने सदैव ही देश की राजधानी में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम किया है।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

संयम से सफलता

स्टीफेंसन ने रेलवे इंजन का आविष्कार किया। जैसा कि संसार का नियम है, ईर्ष्यालु लोग विरोध करने के लिए खड़े हो गए। एक दिन प्रतिज्ञा अनुसार इंजन को प्रदर्शन और परीक्षा के लिए जनता के सम्मुख लाया गया और उसके साथ गाड़ी के कुछ डिब्बे जोड़ दिए गए। जब इंजन को चलाया गया तो वह आगे बढ़ने की बजाय ऊपर को उछलने लगा। यह देखते ही दर्शकों की ओर से फब्तियां कसी जाने लगीं। इसके आविष्कारक का उपहास उड़ाया गया। मित्र बड़े खिन्न और उदास हुए। परंतु आविष्कर्ता स्टीफेंसन न तो प्रसन्न था और न ही उदास। वह केवल इस बात पर विचार कर रहा था कि दोष कहां है? त्रुटि कौन-सी है? जांच-पड़ताल के बाद स्टीफेंसन ने त्रुटि भांप ली। जब दूसरा प्रदर्शन हुआ तो इंजन ने सीटी दी और रेल फटाफट वेग से आगे बढ़ी। पहली बार ऐसा दृश्य देखकर लोग आश्चर्यचकित रह गए। जो त्रुटि स्टीफेंसन ने भांपी वह यह थी कि पहिए ज्यादा भारी न थे, जिस कारण इंजन आगे बढ़ने के स्थान पर ऊपर को उठता था। त्रुटि दूर करने पर आविष्कर्ता को सफलता प्राप्त हुई। आज स्टीफेंसन को सारी दुनिया जानती है परंतु उपहास करने वालों का नाम कोई नहीं जानता।

सामयिक

राजनीतिक दलों के बाजीगर और चुनावी शतरंज

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

काले और सफेद मोहरे शतरंज की फर्श पर ही आमने-सामने नहीं होते, पूरा चुनावी परिश्य ऐसे ही काले और सफेद रंगों में बंटती जा रही है। कहीं यह अगड़ों-पिछड़ों के नाम से तो कहीं वर्ग और जाति के नाम से आमने-सामने हैं। इस बार की लड़ाई कई दलों के लिए आरपार की है। अभी नहीं तो कभी नहीं।

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछ रही है। कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने शतरंज की चालों की तरह अपनी-अपनी चालें चल रहे है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजीर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजीर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटे हैं। शतरंज की एक विशेषता है कि राजा कभी अकेले से शिकस्त नहीं खाता और यही हम आगामी चुनाव के बन रहे दृश्यों से महसूस कर रहे हैं।

राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिए राजनीति में सही वक्त पर सही ढंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते है राजनीति। इसी राजनीति के महारथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है। शतरंज के खेल की भांति राजनीति में भी कब किस घोड़े को और किस सैनिक को ऊंट को मारना है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके, ये कला आनी चाहिए। इस कला में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। वह राजनीतिक शतरंज की चालों में माहिर है और उसकी दृष्टि नये बन रहे राजनीतिक जोड़-तोड़ पर लगी है। भाजपा की एक चाल के बाद विरोधी कितनी चाल चल सकता है, भाजपा के घोड़े ऊंट सैनिक को मारने के लिए विपक्षी दल क्या चाले चल सकते हैं, इस बात का भाजपा को पहले से ज्ञान है, उसे यह भी पता है कि वह कितने प्यादों को खो सकता है। उसे बचाने का खेल भाजपा खेलने लगी है।

शतरंज में सफेद मोहरों की चाल पहले होती है और हर एक चाल की वरीयता मायने रखती है। ठीक इसी सोच पर भाजपा सभी चुनावी चालों में आगे रहना चाहती हैं। पर शुरूआत किस चाल से करें, जिसकी काट नहीं हो, यह भाजपा अच्छी तरह जानती हैं। तभी उसने प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़ी पहले चलने वाली चाले चलते हुए नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा दिया है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को 'भारत रत्न' सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाते हुए शह-मात का खेल खेल रही है।

शतरंज के खेल की तरह राजनीति के खेल में भी घोड़ा ढाई घर आगे और ढाई घर पीछे चलकर मारता है, परिपक्व एवं मझे हुए राजनीतिक खिलाड़ियों एवं राजनीतिक दलों की यही चालें शुरू हो चुकी है, जिस कारण सभी विपक्षी दलों के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का धर्म संकट है और प्रमुख दलों में भविष्य की राजनीतिक सत्ता को लेकर राजनीति की निष्ठायें पूरी तरह से धूमिल होती हुई भी दिखाई पड़ रही है। वर्तमान राजनीति सिद्धांतों पर नहीं रह गई है अब विभिन्न राजनीतिक दल येन केन प्रकरण पद और सत्ता हासिल करके सुख भोगना चाहते हैं और समाज में अपने रुतबे को कायम रखने की होड़ शुरू है। लेकिन सत्ता एवं स्वयं-स्वार्थ की इस होड़ के कारण नुकसान तो लोकतंत्र का ही हो रहा है। इसलिये आज सबकी आंखें और कान राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिदिन लिये जाने वाले निर्णयों पर लगे हुए हैं। दोष किसी एक दल का नहीं, बल्कि उन सबका है जो चुनावी संग्राम को एक शतरंज की बिसात बना रखा है। चुनाव की घोषणा से पहले ही जो घटनाएं हो रही हैं वे शुभ का संकेत नहीं दे रही हैं। मतदाता भी धर्म संकट में है। उसके सामने अपना प्रतिनिधि चुनने का विकल्प नहीं होता। प्रत्याशियों में कोई योग्य नहीं हो तो मतदाता चयन में मजबूरी महसूस करते हैं। मत का प्रयोग न करें या न करने का कहें तो वह संविधान में प्रदत्त अधिकारों से वंचित होना/करना है, जो न्यायोचित नहीं है।

काले और सफेद मोहरे शतरंज की फर्श पर ही आमने-सामने नहीं होते, पूरा चुनावी परिदृश्य ऐसे ही काले और सफेद रंगों में बंटती जा रही है। कहीं यह अगड़ों-पिछड़ों के नाम से तो कहीं वर्ग और जाति के नाम से आमने-सामने हैं। इस बार की लड़ाई कई दलों के लिए आरपार की है। अभी नहीं तो कभी नहीं। दिल्ली के सिंहासन को छूने व लालकिले पर ध्वज की डोरी पकड़ने के लिए सबके हाथों में खुजली आ रही है। उन्हें केवल अगले चुनाव की चिन्ता है, अगली पीढ़ी की नहीं। मतदाताओं के पवित्र मत को पाने के लिए पवित्र प्रयास की सीमा लांघ रहे हैं। यह त्रासदी बुरे लोगों की चीत्कार नहीं है, भले लोगों की चुप्पी है जिसका नतीजा राष्ट्र भुगतता रहा है/भुगतता रहेगा, जब तब भले लोग मुखर नहीं होगे।

शतरंज के खेल की तरह शह और मात राजनीति में भी होती है, शतरंज के खेल में घोड़ा बहुत महत्वपूर्ण होता है। भाजपा ने ऐसे ही घोड़ों को अपने पक्ष में किया हैं, ये घोड़े चारों दिशाओं में से किसी एक में आवश्यकतानुसार ढाई घर चल सकता है। यह आक्रमण में निर्णायक भूमिका निभाता है और सुरक्षा भी प्रदान करता है। इसकी चाल को समझना आवश्यक है। वैसे मंत्री या वजीर सबसे शक्तिशाली मोहरा होता है, क्योंकि यह आगे-पीछे, आरे-तिरछे, अगल-बगल अपनी मर्जी एवं सुविधा से, कई घरों तक आ-जा सकता है। वैसे खेल तो प्यादों से शुरू होता है। आगे वे ही बढ़ते हैं। आक्रमण एवं सुरक्षा, दोनों की रणनीति, उनकी चाल को ध्यान में रख कर बनाई जाती है। सबसे बड़ी बात है कि आगे बढ़ते हुए वे आवश्यकतानुसार मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी कुछ भी बन सकते हैं। उनके महत्व को कम करके नहीं देखा जा सकता। भाजपा के पास विपक्षी दलों की तुलना में ऐसे मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी सब है। जबकि विपक्षी दल अपनी कुचालों से इन सबको खोते जा रहे हैं। यह सही है कि सहयोगियों के गठबंधन छोड़ने की शुरुआत भी एनसीपी में पड़ी फूट के बाद से ही हो गई थी, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पलटना इस अर्थ में निर्णायक कहा जा सकता है कि वही गठबंधन के सूत्रधार की भूमिका निभा रहे थे। उन्हें अपनी ओर खींचकर भाजपा और एनडीए ने विपक्षी दलों के विशाल गठबंधन से बनते नैरेटिव को जबर्दस्त झटका दिया। इस झटके से उबरने की कोशिशें ढंग से शुरू होतीं, उससे पहले ही पश्चिम यूपी के जाट बहुल इलाके में दखल रखने वाले आरएलडी नेता जयंत चौधरी ने भी पाला बदल लिया।

निश्चित रूप से इन सब शतरंजी चालों के पीछे एनडीए की तरफ से हो रहे सुनियोजित प्रयासों की भूमिका है। लेकिन इंडिया गठबंधन खेमा जिस तरह से बिखर रहा है, उसका पूरा श्रेय एनडीए की कोशिशों को नहीं दिया जा सकता। इसकी काफी जिम्मेदारी विपक्षी दलों के नेताओं को भी अपने सिर पर लेनी होगी। विपक्षी दलों का मंच इंडिया गठबंधन पिछले साल मुश्किलों के बीच जिस तरह से बना और फिर जितनी तेजी से इसने उम्मीदें जगानी शुरू कीं, उतनी ही तेजी से उन उम्मीदों को ध्वस्त भी करता जा रहा है। भाजपा की शतरंज पर बिछी बिसात का अहम हिस्सा नंबर से आगे जाकर पूरे देश में ऐसा माहौल बनाना है जिससे लोगों में उसके लिये अधिकतम स्वीकार्यता का भाव आये। मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिये राष्ट्रीय एकता, नया भारत, सशक्त भारत का सन्देश अहम है। राजनीतिक चारित्रिक उज्ज्वलता, ईमानदारी और नैतिकता शतरंज की चालें नहीं मानवीय मूल्य हैं। अतः नीति ही राजा, नीति ही मोहरें और नीति ही चालें हो।

नजरिया

सोनिया गाँधी ने क्यों लिखी रायबरेली को चिट्ठी?

प्रभुनाथ शुक्ल

मोबाइल : 9450254645

मैं अपने बच्चों को भीख मांगते देख लूंगी, परंतु मैं राजनीति में कदम नहीं रखूंगी। यह पीड़ा सोनिया गांधी की थी जो अपने पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को खोने के बाद कहा था। यह एक माँ और औरत की पीड़ा थी। क्योंकि राजीव गांधी को खोने के बाद सोनिया गांधी अकेली पड़ गयीं थीं। वह डरी और सहमी थीं क्योंकि पारिवारिक संघर्ष में वह अकेली थीं। उन्हें सबसे अधिक फ़िक्र दोनों बच्चों राहुल और प्रियंका गांधी के सुरक्षा की थी। जिसकी वजह से वह राजनीति में नहीं आना चाहती थीं। क्योंकि राजनीति की वजह से उन्होंने पति और सास को खोया था। जिसकी वजह से उन्हें राजनीति से घृणा हो गई थी।

गांधी परिवार के लिए दोनों घटनाएं बेहद दु:खद थी। लेकिन सोनिया गांधी का दृढ संकल्प उन्हें विषम परिस्थितियों में भी डिगने नहीं दिया। कांग्रेस को संभालने के लिए उन्हें अंतत राजनीति में आना पड़ा। लेकिन सोनिया गांधी लगता है अब सक्रिय राजनीति को अलविदा कह दिया है। खराब स्वास्थ्य के चलते अब वह चुनाव नहीं लड़ेंगी और राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस की सेवा करेंगी। उन्होंने रायबरेली की जनता के नाम एक भावनात्म चिट्ठी भी लिखी है। सोनिया गांधी के इस फैसले के बाद रायबरेली की सीट क्या कांग्रेस के लिए सुरक्षित रह पाएगी या अमेठी की तरह उस पर भी भजपा का कब्जा हो जाएगा।

सोनिया गांधी के इस फैसले को लेकर सियासी उठापटक शुरू हो गई है। भाजपा ने सोनिया गांधी पर जहाँ तंज कसा है। वहीं कांग्रेस ने सोनिया गांधी के फैसले को पार्टी का अपना फैसला बताया है। कांग्रेस बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। इंदिरा गांधी के जाने के बाद राजीव गांधी ने पार्टी को संभाला। राजीव की अनुपस्थिति में सोनिया गांधी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। लेकिन राहुल गांधी खरे उतरते नहीं दिख रहे हैं। दक्षिणपंथी विचारधारा की पोषक भारतीय जनता पार्टी में मोदी युग की शुरुवात के बाद कांग्रेस का विश्वास जनता में सिकुड़ता गया है। कमजोर कांग्रेस को मजबूत आधार दिलाने वाला कोई राजनेता नहीं दिख रहा है। प्रियंका गांधी से पार्टी समर्थकों से काफी उम्मीद थी, लेकिन उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा के चुनाव में उन्हें जो करिश्मा करना था वह नहीं कर पाई। ऐसी ऐसी स्थिति में सक्रिय राजनीति से सोनिया गांधी का अलविदा कहना कांग्रेस को किस दिशा में लेकर जाएगा यह कहना मुश्किल है। कांग्रेस आज भले कमजोर हो गई है, लेकिन कांग्रेस से अधिक लोगों को गांधी परिवार पर सबसे अधिक भरोसा है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की रायबरेली परंपरागत सीट रही है। रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही लोगों के सामने गांधी और नेहरू परिवार की तस्वीर तैरने लगती है। लेकिन कमजोर होती कांग्रेस ने अपनी बहु चर्चित लोकसभा सीट अमेठी को गंवा दिया। राहुल गांधी को विषम राजनीतिक परिस्थितियों में नई सियासी जमीन तलाशने के लिए दक्षिण भारत से चुनाव लड़ना पड़ा। अब यह निश्चित हो गया है कि सोनिया गांधी राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करेंगीं। फिर सवाल उठता है क्या रायबरेली सीट कांग्रेस से हाथ से फिसल जाएगी। जबकि सोनिया गांधी स्वयं वहां से सांसद हैं। कांग्रेस के जो राजनीतिक हालात हैं उस स्थिति में राहुल गांधी क्या अमेठी एवं रायबरेली लौटेंगे।

गांधी परिवार के लिए सबसे सुरक्षित सीट रायबरेली का फिर क्या होगा। क्या गांधी परिवार से उपेक्षित होने के बाद यह सीट अमेठी की तरह भाजपा के हाथ में चली जाएगी या फिर गांधी परिवार की राजनीतिक पहचान उत्तर प्रदेश से खत्म हो जाएगी। फिर क्या पार्टी प्रियंका गांधी या राहुल गांधी को रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरेगी। हालांकि यह खबर भी आयी है की प्रियंका गांधी अमेठी और राहुल रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे।

राहुल गांधी क्या वायनाड को छोड़कर रायबरेली से अपना चुनावी भविष्य तय करेंगे। क्योंकि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए अब खोने के लिए कुछ नहीं बचा है। जबकि दक्षिण भारत में भाजपा अभी कमजोर स्थिति में है। उसे हालत में राहुल गांधी अगर वायनाड को बाय-बाय कर रायबरेली से अपना भाग्य आजमाते हैं तो दक्षिण के लिए गलत संदेश जाएगा और दक्षिण में कांग्रेस कमजोर होगी। ऐसी विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी क्या रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय ले पाएंगे। सोनिया गांधी रायबरेली को अलविदा कहने के बाद वहां की जनता के नाम एक भावनात्मक चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में उन्होंने अपने खराब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र का हवाला दिया है। उन्होंने लिखा है कि हालांकि मुझे आपकी सीधे सेवा करने का अवसर नहीं मिलेगा, लेकिन मैं मन और प्राण से आपके साथ रहूंगी। रायबरेली की जनता के नाम सोनिया ने एक बहुत ही भावनात्मक लाइन लिखी हैं मुझे पता है कि आप भी हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे संभाल लेंगे जैसे अब तक संभालते आए हैं। उन्होंने आगे अपनी बात में लिखा है कि दिल्ली में मेरा परिवार अधूरा है वह रायबरेली आकर आप लोगों से मिलकर पूरा होता है। चिट्ठी में ससुर फिरोज गांधी और सास इंदिरा गांधी का भी जिक्र किया है। सोनिया गांधी की इस भावनात्मक अपील की जनता कितना सम्मान करती है फिलहाल यह वक्त बताएगा।

रायबरेली सीट को रिक्त छोड़ना गांधी परिवार की सबसे बड़ी भूल होगी। प्रियंका गांधी को यहां से निश्चित रूप से चुनाव लड़ना चाहिए और विषम परिस्थितियों में अपने पार्टी के साथ खड़ी रहना चाहिए। चिट्ठी के जरिए सोनिया गाँधी ने रायबरेली की जनता से जो भावनात्मक अपील किया है उसका साफ-साफ संदेश है की वे रायबरेली से चुनाव स्वयं भले न लड़ें, लेकिन गाँधी परिवार से कोई न कोई इस विरासत को जरूर संभालेगा। क्योंकि अमेठी ने भले गाँधी परिवार के भरोसे को तोड़ा हो लेकिन रायबरेली की जनता ने ऐसा कभी नहीं किया। मोदी लहर में भी वह गाँधी परिवार के साथ खड़ी है।

रायबरेली सीट से कांग्रेस हमेशा से चुनाव जीतती आयी है। 2004 से लेकर अब तक सोनिया गांधी ने रायबरेली से प्रतिनिधित्व किया है। वहां से वह चौथी बार लोकसभा में पहुंची है। इसके अलावा उनकी सास और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, शीला कौल, आरपी सिंह और सतीश शर्मा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। सोनिया गांधी कांग्रेस के लिए एक अडिग चट्टान सी खड़ी रही। राजीव गांधी की मौत के बाद उन्होंने कांग्रेस को विषम परिस्थितियों संभाला और एक कुशल नेतृत्व दिया। विदेशी मूल के मसले को लेकर उन पर चौतरफा हमला हुआ। 2004 से लेकर 2014 तक कांग्रेस की बुलंदियों का दौर था। वह चाहती तो खुद प्रधानमंत्री बन जाती लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। खुद उनकी पार्टी के राजनेता विदेशी मूल का मुद्दा उठाकर कांग्रेस से अलग हो गए लेकिन सोनिया गांधी एक तटस्थ राजनेता की तरह दृढ संकल्पित रहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री पद नहीं स्वीकार किया और मनमोहन सिंह को यह उन्होंने जिम्मेदारी सौंपी।

पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के नेतृत्व में 1996 में कांग्रेस चुनाव हार गई। उस समय कांग्रेस को गांधी परिवार की सख्त जरूरत महसूस होने लगी। लोगों के लगने लगा कि जब तक गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी की कमान नहीं संभालेगा तब तक कांग्रेस की वापसी संभव नहीं है। आखिरकार न चाहते हुए भी मुश्किल दौर में पार्टी की कमान उन्होंने संभाला और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी बखूबी निभायी।

सोनिया गांधी ने 1997 कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण किया और 1998 में पार्टी की अध्यक्ष चुनी गई। 1999 वह बेल्लारी एवं अमेठी से चुनाव लड़ा और रिकार्ड मतों से विजय हासिल किया। 2004 में 16 दलों के गठबंधन यूपीए की नेता चुनी गई। उन्होंने पूरे देश में दौरा कर चुनाव प्रचार किया और यूपीए गठबंधन को सत्ता में वापस ले आयीं। 2019 में उन्हें अंतिम बार कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया। सोनिया गांधी ने हर विषम परिस्थितियों में पार्टी को मजबूती दिलाई। कांग्रेस के राजनीतिक इतिहास में सबसे लम्बे समय तक पार्टी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। फिलहाल राज्यसभा में जाने और सक्रिय राजनीति से अलबिदा होने बाद भी कांग्रेस को सोनिया गांधी की हमेशा जरूरत रहेगी।

रायबरेली सीट को रिक्त छोड़ना गांधी परिवार की सबसे बड़ी भूल होगी। प्रियंका गांधी को यहां से निश्चित रूप से चुनाव लड़ना चाहिए और विषम परिस्थितियों में अपने पार्टी के साथ खड़ी रहना चाहिए। चिट्ठी के जरिए सोनिया गाँधी ने रायबरेली की जनता से जो भावनात्मक अपील किया है उसका साफ-साफ संदेश है की वे रायबरेली से चुनाव स्वयं भले न लड़ें, लेकिन गाँधी परिवार से कोई न कोई इस विरासत को जरूर संभालेगा। क्योंकि अमेठी ने भले गाँधी परिवार के भरोसे को तोड़ा हो लेकिन रायबरेली की जनता ने ऐसा कभी नहीं किया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भारत व अन्य जगहों से जुड़े 1.8 अरब डॉलर के धनशोधन मामले में हांगकांग में सात लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/हांगकांग।हांगकांग के सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को 14 अरब हांगकांग डॉलर (1.8 अरब अमेरिकी डॉलर) के, क्षेत्र के सबसे बड़े धनशोधन मामले में कम से कम सात लोगों को गिरफ्तार किया। इस रकम में से कुछ भारत में एक मोबाइल ऐप घोटाला मामले से संबंधित है। हांगकांग के सीमा शुल्क व उत्पाद शुल्क विभाग ने कहा कि गिरोह ने शहर में दर्ज एक मामले से जुड़ी सबसे बड़ी राशि को स्थानांतरित करने के लिए छद्म बैंक खातों और मुखौटा कंपनियों का इस्तेमाल किया। सीमा शुल्क वित्तीय जांच ब्यूरो की प्रमुख सुजेट इप तुंग-चिंग ने हांगकांग में मीडिया को बताया कि यह अभियान भारत में एक मोबाइल ऐप घोटाले और देश की दो आभूषण कंपनियों से जुड़ा था, जिन्होंने कथित तौर पर लगभग 2.9 अरब हांगकांग डॉलर (37.1 करोड़ अमेरिकी डालर) रकम की हेरफेर की।

इप ने धनशोधित की गई रकम को चौंकाने वाली बताया, जिसमें से एक खाते में प्रतिदिन 10 करोड़ हांगकांग डॉलर आते थे और उसमें 50 से अधिक दैनिक लेनदेन होते थे। उन्होंने विवरण दिए बिना कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कुछ हांगकांग के अनिवासी चीनी थे। इप ने कहा कि हांगकांग, भारत और अन्य जगहों पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अभियान को अंजाम देने में सहयोग किया। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट अखबार की खबर के अनुसार, संदिग्धों पर रत्न और इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े लेनदेन के माध्यम से नकदी को वैध बनाने का आरोप लगाया गया था जिसमें एक 34 वर्षीय व्यक्ति भी शामिल था जिसे मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है। उसकी पत्नी, भाई और पिता को भी गिरफ्तार किया गया था। उनके साथ ही तीन अन्य हांगकांग निवासियों पर इलेक्ट्रॉनिक्स, रत्न और आभूषणों का व्यापार करने के लिए बड़ी संख्या में फर्जी कंपनियां और फर्जी बैंक खाते स्थापित करने का आरोप लगाया गया था।

प्रदर्शन

रांची में अखिल भारतीय किशन महासभा के कार्यकर्ताओं ने कृषि उत्पादों के लिए दोषपूर्ण नीतियों और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और विरोध रैली के दौरान विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से भारत की सदस्यता वापस लेने की मांग की।

भाजपा नेता का दावा

सोनिया गांधी ने रायबरेली सीट पर अपनी हार के डर से राज्यसभा का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और वर्ष 2014 में रायबरेली लोकसभा सीट से पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के विरुद्ध चुनाव लड़ चुके अधिवक्ता अजय अग्रवाल ने शुक्रवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में अपनी सुनिश्चित हार को देखते हुए सोनिया ने राज्यसभा का रुख किया है।

अग्रवाल ने कहा कि अगर भाजपा उन्हें रायबरेली से लोकसभा का टिकट देगी तो वह चुनाव जरूर लड़ेंगे। अग्रवाल ने यहां जारी एक बयान में कहा कि रायबरेली से पांच बार सांसद रहीं सोनिया गांधी ने रायबरेली के चुनावी माहौल को भांपते हुए राजस्थान से राज्यसभा में जाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि अगर इस बार वह रायबरेली से चुनाव लड़तीं, तो उनकी बेहद शर्मनाक पराजय होती।

उन्होंने कहा कि रायबरेली ने पहले सोनिया के ससुर फिरोज गांधी, फिर उनकी सास इंदिरा गांधी और फिर खुद उन्हें पांच बार सांसद बनाया मगर रायबरेली आज भी पिछड़ा ही है। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि रायबरेली के विकास के लिए सोनिया ने कुछ नहीं किया और पिछले पांच साल में एक बार भी रायबरेली का रुख नहीं किया।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा इस बार रायबरेली समेत उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगी। वर्ष 2014 में रायबरेली से सोनिया के खिलाफ भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ चुके अग्रवाल ने कहा कि वह पिछले कई साल से रायबरेली की जनता की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी उनको दोबारा रायबरेली से मौका देगी तो वह चुनाव जरूर लड़ेंगे।

हालिया समय में अफगानिस्तान में आतंकवादी समूहों को अधिक आजादी है : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख की रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल में इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि 2021 में अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा करने वाले तालिबान ने युद्धग्रस्त देश में विदेशी आतंकवादी लड़ाकों की गतिविधियों को सीमित करने के लिए कदम उठाए हैं। रिपोर्ट में सदस्य देशों की चिंता भी व्यक्त की गई है कि तालिबान शासित अफगानिस्तान में आतंकवादी समूहों को हाल के समय में किसी भी समय की तुलना में ''अधिक आजादी'' प्राप्त है। विशेष रूप से खतरनाक आईएसआईएल-के आतंकवादी समूह की ताकत में बढ़ोतरी को ध्यान में रखा गया है। जेल से हजारों व्यक्तियों की रिहाई के बाद इसके लड़ाकों की संख्या पूर्व अनुमानित 2,200 से लगभग दोगुनी हो गई है। अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को आईएसआईएल (दाएश) द्वारा उत्पन्न खतरे और इससे मुकाबला करने में सदस्य देशों के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों पर महासचिव की '14वीं रिपोर्ट' के अनुसार, ''15 अगस्त को तालिबान के सैन्य अभियान के बाद अफगानिस्तान में सुरक्षा परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल गया जिसने काबुल सहित 34 प्रांतीय राजधानियों में से 33 पर कब्जा कर लिया था।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे कोई हालिया संकेत नहीं हैं कि तालिबान ने देश में विदेशी आतंकवादी लड़ाकों की गतिविधियों को सीमित करने के लिए कदम उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ''इसके विपरीत सदस्य देश चिंतित हैं कि आतंकवादी समूहों को हाल के समय में किसी भी समय की तुलना में अफगानिस्तान में अधिक स्वतंत्रता प्राप्त है।'' सदस्य देशों का आकलन है कि तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में दाएश से जुड़े संगठन इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवांत-खोरासन (आईएसआईएल-के) के कई लड़ाकों को रिहा किए जाने के बाद उसकी ताकत पहले के अनुमानित 2,200 लड़ाकों से बढ़कर अब 4,000 तक पहुंच गई है। महासचिव की रिपोर्ट के अनुसार एक सदस्य देश का आकलन है कि आधे से अधिक व्यक्ति विदेशी आतंकवादी लड़ाके हैं। दाएश पूर्वी अफगानिस्तान में सीमित क्षेत्र को नियंत्रित करता है और यह 27 अगस्त, 2021 को काबुल हवाई अड्डे पर बमबारी जैसे हाई-प्रोफाइल जटिल हमले करने में शामिल रहा है जिसमें 180 से अधिक लोग मारे गए। दाएश उसके बाद के कई हमलों, विशेष रूप से तालिबान और शिया समुदाय के सदस्यों के खिलाफ हमलों में भी शामिल रहा है। अफगानिस्तान में दाएश का नेतृत्व अफगान नागरिक सनाउल्लाह गफारी कर रहा है।

पाकिस्तान के चुनाव परिणामों पर करीब से नजर रख रहे हैं : अमेरिका

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कहा कि वह पाकिस्तान में हाल में हुए आम चुनाव के दौरान मतदाताओं को डराने-धमकाने और दमन की खबरों को लेकर चिंतित है और स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रणनीतिक संचार के समन्वयक जॉन किर्बी ने संवाददाताओं से कहा, '' हम चिंतित हैं और पाकिस्तान से मिल रहीं डराने धमकाने, मतदाताओं के दमन और इसी प्रकार की अन्य खबरों पर अपनी चिंताएं साझा करते हैं और इस पर करीब से नजर रख रहे हैं।'' उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा,'' मतों की गिनती अब भी जारी है, अंतरराष्ट्रीय निगरानीकर्ता अब भी मतगणना पर नजर बनाए हुए हैं...।''

यज्ञ

तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू अपनी पत्नी भुवनेश्वरी के साथ शुक्रवार को उंदावल्ली स्थित अपने आवास के परिसर में 'राजश्यामला' यज्ञ करते हुए।

शोटाइम, फिल्म इंडस्ट्री की कई सच्चाइयों को सामने लेकर आएगा : इमरान हाशमी

मुंबई/वार्ता

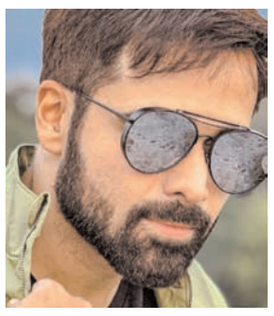

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता इमरान हाशमी का कहना है कि उनकी आने वाली वेबसीरीज शो टाइम फिल्म इंडस्ट्री की कई सच्चाइयों को सामने लेकर आएगा। इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आने वाली वेबसीरीज शो टाइम को लेकर चर्चा में है। हाल ही में शो टाइम का ट्रेलर रिलीज किया गया है।इसमें सिनेमा जगत के पर्दे के पीछे के दिलचस्प राज से पर्दा उठता हुआ नजर आ रहा है। करण जौहर के धर्मेटिक एंटरटेनमेन्ट के बैनर तले बनी शो टाइम बॉलीवुड के पर्दे के पीछे के कई दिलचस्प किस्सों को लेकर बनायी गयी है।

इमरान हाशमी ने शो टाइम में फिल्म निर्माता रघु खन्ना का किरदार निभाया है, जो कर्मशियल सिनेमा बनाता है। उन्होंने बताया, शो टाइम दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ ही उन्हें संदेश भी देगा। फिल्म इंडस्ट्री में सुने-सुनाये किस्सों के बारे में लोग जानते है। इंडस्ट्री के बारे में लोगों को बहुत कम पता है।शो टाइम लोगों को फिल्म इंडस्ट्री की दुनिया से रूबरू करायेगा। शो टाइम की कहानी दिलचस्प है। शोटाइम, बॉलीवुड की कई सच्चाइयों को सामने लेकर आएगा।

फिल्म इंडस्ट्री में मुझे दो दशक हो गये हैं। मैने इंडस्ट्री के अच्छे और बुरे दोनों पक्ष देखे हैं। जब मुझे शो टाइम के लिय अप्रोच किया गया तो मैंने तुरंत हां कर दी। डिज़्नी+हॉटस्टार और धर्माटिक एंटरटेनमेंट के साथ सहयोग करना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। हमने दर्शकों को हमेशा यह जानने के लिए उत्सुक देखा है कि बॉलीवुड के बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है और मैं बस इतना कहना चाहता हूं, हमने आप सभी को सुना है। बॉलीवुड की कहानियों में गहराई से उतरने के लिए तैयार हो जाइए। शो टाइम में इमरान हाशमी, मौनी रॉय, नसीरउद्दीन साह ,श्रिया सरन, राजीव खंडेलवाल, विशाल वशिष्ठ और महिमा मकवाना,की अहम भूमिका है।धर्मेटिक एंटरटेनमेन्ट द्वारा निर्मित, सुमित रॉय और शोरनर मिहिर देसाई द्वारा रचित एवं लिखित, इस सीरीज का निर्देशन मिहिर देसाई और अर्चित कुमार ने किया है। वेबसीरीज शोटाइम 8 मार्च 2024 को डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

'पोचर' की कई खूबियों ने मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया : आलिया भट्ट

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट स्ट्रीमिंग शो 'पोचर' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने इस शो का हिस्सा बनने का फैसला कई फैक्टर्स के आधार पर लिया था। शो में एग्जीक्यूटिव प्रॉड्यूसर के रूप में काम करने वाली एक्ट्रेस आलिया ने गुरुवार को 'पोचर' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर मीडिया से बात की। उन्होंने एक्टर दिब्येंदु भट्टाचार्य और रोशन मैथ्यू, शो के निर्माता और निर्देशक रिची मेहता और प्राइम वीडियो के अधिकारियों के साथ स्टेज शेयर किया। शो के एग्जीक्यूटिव प्रॉड्यूसर के रूप में काम करने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए, आलिया ने कहा, ''मैं सिर्फ एक चीज की ओर इशारा नहीं कर सकती, जिसने मुझे एक एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। इसमें कई चीजें एक साथ हैं, जो मुझे पसंद आईं, जैसे रिची द्वारा तैयार की गई शानदार कहानी, रिसर्च में उनकी कड़ी मेहनत, देश के कुछ बेस्ट एक्टर्स की शानदार भूमिका और निश्चित रूप से दर्शकों पर शो का असर।''

उन्होंने आगे उल्लेख किया, रिची और एक्टर्स सहित टीम ने इतना अद्भुत काम किया है कि सीरीज देखकर मेरी आंखें भर आईं और इसका मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा। शो में ऐसे कई सीन्स हैं, जिनके बारे में मैं अभी बात नहीं कर सकती, लेकिन, मैंने और मेरी बहन ने सीन्स पर नोट्स का आदान-प्रदान किया और ये 3-4 सीन्स वास्तव में हमारे लिए खास रहे।'' 'पोचर' 23 फरवरी को प्राइम वीडियो पर आएगा।

जॉन अब्राहम ने 'दंगे' का ट्रेलर लांच किया

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने हर्षवर्धन राणे की आने वाली फिल्म दंगे का ट्रेलर सोशल मीडिया पर लांच किया है। बॉलीवुड निर्देशक बिजॉय नांबियर फिल्म दंगे लेकर आ रहे हैं, जिसमें हर्षवर्धन राणे और एहान भट्ट जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।दंगे का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर को जॉन अब्राहम ने लॉन्च किया है। जॉन अब्राहम ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर दंगे का ट्रेलर साझा किया है। फिल्म दंगे कॉलेज के दो गुटों के बीच की तनातनी की कहानी है।हर्षवर्धन राणे और एहान भट्ट के अलावा फिल्म दंगे में निकिता दत्ता, टीजे भानू की अहम भूमिका है। फिल्म दंगे 01 मार्च 2024 को रिलीज होगी।

'कुछ रीत जगत की ऐसी है' में काम करना शानदार अनुभव : सेजल शाह

मुंबई/वार्ता

जानी मानी चरित्र अभिनेत्री सेजल शाह का कहना है कि कुछ रीत जगत की ऐसी है में काम करना उनके लिये शानदार अनुभव रहा है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन सीरियल 'कुछ रेत जगत की ऐसी है' लेकर आ रहा है।गुजरात के परिवेश पर आधारित इस शो में दहेज प्रथाके खिलाफ आवाज उठायी गयी है। मीरा देओस्थले (नंदिनी)और जान खान (नरेन रतनशी)मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। नंदिनी की परवरिश उसके मामा और मामी ने की है, जिनका किरदार जगत रावत और सेजल साह ने निभाया है। सेजल शाह ने बताया, कुछ रीत जगत की ऐसी है में काम करना शानदार अनुभव रहा।कुछ रीत जगत की ऐसी है में आप सभी को शानदार क्रियेटिव वर्क देखने को मिलेगा। इस शो के निर्माता जेडी मजेठिया काफी क्रियेटिव वर्क करते हैं। वह परफेक्शन के साथ काम करते हैं और कलाकारों को काम करने की आजादी देते हैं। शो में सभी कलाकारों ने बेहद शानदार काम किया। आज के दौर के कलाकार काम के प्रति बेहद फोकस हैं। ज़ान खान और मीरा देवस्थले ने बेहद शानदार काम किया है।

धर्मेश व्यास और ख़ुशी राजपूत ने शो में नंदिनी के सास-ससुर हेमराज रतनशी और चंचल रतनशी की भूमिका में हैं। खुशी राजपूत ने कहा, मेरा किरदार इस शे में ऐसा है जो नंदिनी को अपनी बेटी से बढ़कर प्यार करती है। निजी जिंदगी में भी मैं एक बच्ची की मां हूं। दहेज प्रथा समाज के लिये अभिषाप है। मैंने अपनी बेटी को पढ़ा-लिखाकर उसे योग्य बनाया है। शादी करने के लिये दहेज देने की जरूरत नहीं है। कुछ रीत जगत की ऐसी है में काम करने के लिये मैं हैट्स ऑफ प्रोडक्शंस और निर्माता जेडी मजेठिया का आभार व्यक्त करती हूं।

अभिनेता नितीश भारद्वाज ने पत्नी पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

भोपाल/वार्ता

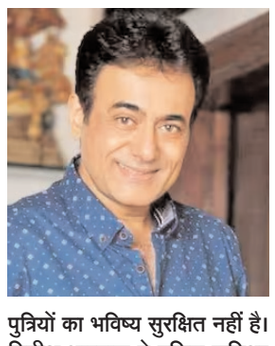

टीवी सीरियल महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण का किरदार निभाने वाले अभिनेता नितीश भारद्वाज ने अपनी दो जुड़वा पुत्रियों की सुरक्षा को लेकर पत्र लिखकर पुलिस से सहायता की मांग की है। अभिनेता नितीश भारद्वाज का विवाह भोपाल में पदस्थ आईएएस अधिकारी स्मिता गाटे भारद्वाज से 2009 में हुआ था। दोनों की दो जुड़वा बेटियां हैं। पति पत्नी अलगाव के चलते अलग अलग रहते हैं। नितीश ने भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र को कल एक पत्र लिखकर अपनी आईएएस पत्नी पर आरोप लगाये हैं। उनका आरोप है कि उनकी पत्नी उन्हें दोनों जुड़वा पुत्रियों से मिलने नहीं देती हैं। वह उनसे मिल न पाए इसके लिए दोनों पुत्रियों का स्कूल बदल देती हैं, जिसके चलते उनकी पुत्रियों का भविष्य सुरक्षित नहीं है। नितीश भारद्वाज ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर सहायता का अनुरोध किया है, जिस पर पुलिस कमिश्नर श्री मिश्र ने उन्हें सहायता का आश्वासन दिया है। पुलिस कमिश्नर श्री मिश्र ने बताया कि इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुयी है। इस पूरे मामले में पुलिस तथ्यों की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारी जांच करेंगी।

आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट ने दी 'राजधानी फाइल्स' को प्रदर्शन की अनुमति

मुंबई/एजेन्सी

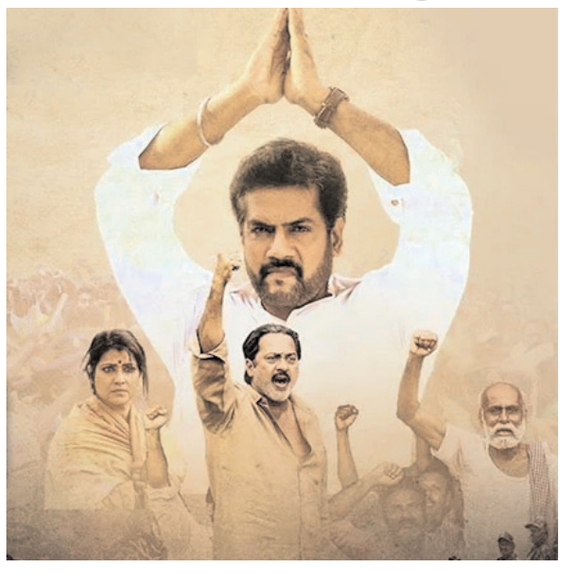

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की आलोचना करने वाली फिल्म 'राजधानी फाइल्स' की रिलीज की अनुमति दे दी है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा प्रस्तुत रिकॉर्ड देखने के बाद, अदालत ने आगे रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एन. जयसूर्या ने गुरुवार को फिल्म पर अंतरिम रोक लगा दी थी, जिसे हटाते हुए सिनेमाघरों में फिल्म की स्क्रीनिंग की अनुमति दी गई। यह फिल्म 15 फरवरी (गुरुवार) को रिलीज होने वाली थी। अंतरिम रोक लगाते हुए न्यायाधीश ने कहा था कि इसकी जांच की जानी चाहिए कि क्या सीबीएफसी द्वारा फिल्म की रिलीज का प्रमाण पत्र सीबीएफसी की जांच और संशोधित समिति की रिपोर्ट के आधार पर जारी किए गए नियमों के अनुसार किया गया था।

अदालत के निर्देश पर सीबीएफसी के क्षेत्रीय अधिकारी और पुनरीक्षण समिति के पीठासीन अधिकारी ने सभी रिकॉर्ड पेश किए। एमएलसी और वाईएसआरसीपी के महासचिव लैला अप्पी रेड्डी ने फिल्म पर रोक लगाने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा था कि यह मुख्यमंत्री और अन्य नेताओं के खिलाफ अपमानजनक है। अप्पी रेड्डी के वकील वीआरएन प्रशांत ने दलील दी थी कि फिल्म के पात्र मुख्यमंत्री और पूर्व मंत्री कोडाली नानी से मिलते जुलते हैं। उन्होंने कहा कि पात्रों को दिए गए नाम भी मुख्यमंत्री और पूर्व मंत्री के नामों से मिलते जुलते हैं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार और मुख्यमंत्री को बदनाम करने के लिए चुनाव से ठीक पहले फिल्म रिलीज की जा रही है। उन्होंने कहा कि कुछ दृश्य मुख्यमंत्री को बदनाम कर रहे हैं और अपने तथ्यों से लोगों को गुमराह कर रहे हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि स्वार्थी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए मुख्यमंत्री और सरकार को 5 फरवरी को जारी ट्रेलर में गलत तरीके से पेश किया गया है। फिल्म के निर्माताओं की ओर से बहस करने वाले यू. मुरलीधर राव ने अदालत को बताया कि फिल्म का उद्देश्य किसी को बदनाम करना नहीं है। अदालत को सूचित किया गया कि पुनरीक्षण समिति के सुझाव पर कुछ दृश्यों को हटाने के बाद सेंसर प्रमाणपत्र जारी किया गया था। भानु द्वारा लिखित और निर्देशित और तेलुगु वन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, राजधानी फाइल्स में नए अभिनेता अकिलन और वीना मुख्य भूमिका में हैं। 2019 के चुनावों में अवनिगड्डा निर्वाचन क्षेत्र से टीडीपी के बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले कांतमनेनी रविशंकर ने हिमाबिंदु के साथ फिल्म का निर्माण किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 17-02-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

शहर के यशवंतपुर तेरापंथ सभा के तत्वावधान में मेवाड़ भवन में साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में 160वां मर्यादा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में नई मुम्बई वाशी में भी मर्यादा महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन मानकचंद मुथा ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुदर्शन

खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसागरसूरीश्वरजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री चम्पाश्री की शिष्या साध्वी सूर्यप्रभाश्रीजी की चरणाश्रिता साध्वीश्री पूर्वप्रभाश्रीजी शुक्रवार को टुमकूर रोड स्थित चन्द्रप्रभु गौशाला पहुंची और गौशाला के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर कामधेनू गौशाला की चेयरपर्सन शारदा चौधरी, शंकुतला संघवी आदि ने साध्वीश्री को गौशाला के बारे में जानकारी दी व वैयावच्च सेवा की।

‘गुरु के अनुशासन व मर्यादा में रहने से हमारा विकास सुनिश्चित’

यशवंतपुर तेरापंथ सभा के ‘मर्यादा महोत्सव’ में उमड़े श्रावक श्राविकाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यशवंतपुर तेरापंथ सभा के तत्वावधान में मेवाड़ भवन में साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में 160वां मर्यादा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में नई मुम्बई वाशी में भी मर्यादा महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन मानकचंद मुथा ने किया। सबसे पहले यशवन्तपुर सभा के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने सभी का स्वागत करते हुए यशवंतपुर समाज के वरिष्ठ जनों, सहयोगियों, युवा व महिला सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। उन्होंने कहा कि आज यशवंतपुर ऐसा क्षेत्र बन गया है जहां धर्मसंघ के सभी बड़े कार्यक्रम हो चुके हैं और सभी का सहयोग मिला।

समर्पण, सेवा, संगठन, श्रद्धा का अनूठा संगम है मर्यादा महोत्सव

इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित पुरुष व महिला श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वीश्री लावण्यश्री ने कहा कि आज के दिन मर्यादाओं का वाचन, आज्ञा, अनुशासन, समर्पण, सेवा, संगठन, श्रद्धा का अनूठा संगम यदि देखना हो तो तेरापंथ धर्म संघ मे देखा जा सकता है। साध्वीश्री ने कहा कि फूल की शोभा तभी बढती है जब वो वृक्ष से संलग्न है, पतंग का महत्त्व तब है जब डोर से संलग्न है वैसे ही शिष्य अगर गुरु की अनुशासन डोर से संलग्न है तब उसका विकास ही विकास है। धर्मसंघ की मर्यादा के पालन में जितना योगदान साधु साध्वियों का होता है उतना ही योगदान श्रावक श्राविकाओं का भी है। साध्वीश्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु से लेकर वर्तमान आचार्यश्री महाश्रमणजी तक सभी आचार्यों ने इस तेरापंथ संघ महल को सुरक्षित रखने मे अपने संयम बल, आत्मबल, दृढबल से सदैव 100 प्रतिशत खरे उतरे हैं। इस मर्यादा महोत्सव में आचार्यश्री साधु साध्वियों के चातुर्मास की घोषणा करते हैं जिसका सभी को इंतजार रहता है। साध्वीश्री ने कहा कि धर्म का मूल है विनय और विनय का मूल है समर्पण। यदि हम मर्यादा या सीमा में रहते हुए गुरु आज्ञा का पालन करते है तो हमारा कल्याण निश्चित है।

गुरु आज्ञा को शिरोधार्य करने का दिन है मर्यादा महोत्सव

साध्वीश्री सिद्धांतश्रीजी ने अपने अहोभाग्य की सराहना करते हुए कहा कि सत्य क्रांति करने वाले सत्य की राह पर चलने वाले हम सबकी आस्था के आराध्य गुरु भिक्षु ने हमें सदा सदा के लिए मर्यादा बनाकर निश्चिंत बना दिया। हमें अपने गुरु के प्रति समर्पित होना चाहिए। हमारी चिंता करने वाले आचार्य होते हैं हमें तो अपने जीवन की नैया उनके हाथ में ही थमा देनी चाहिए। साध्वीश्री दर्शितप्रभाजी ने सभा का संचालन करते हुए मर्यादा महोत्सव के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर गांधीनगर तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने कहा कि आज का दिन गुरु प्रेरणा, गुणगान व गुरु की आज्ञा को शिरोधार्य करने का दिन है। इसके अलावा गांधी नगर सभा अध्यक्ष कमल दुग्गड, यशवन्तपुर सभा मंत्री महावीर ओस्तवाल, मेवाड़ भवन मंत्री मदनलाल बोराणा, तेयुप कर्नाटक संभाग अध्यक्ष विनोद मुथा, अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, मदनलाल बरडिया, सुरेश दक आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। गांधीनगर सभा के धर्मेश कोठारी ने तेरापंथ सभा गांधीनगर की 75 वर्षगांठ पर 25 फरवरी को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी।

संघीय सभा संस्थाओं के प्रतिनिधियों की रही अच्छी उपस्थिति

मर्यादा महोत्सव पर तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर ने गीतिका एवं तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर ने शब्दचित्र के रूप में गीत की प्रस्तुति दी। बहादुर सेठिया, प्रेक्षा संगीत सुधा, प्रज्ञा संगीत सुधा ने गीत संगीत की प्रस्तुति दी। सभा उपाध्यक्ष बाबूलाल माण्डोत ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सोहनलाल माण्डोत, शांतिलाल पितलीया, बद्रीलाल पितलीया, भंवरलाल बोल्या, मदनलाल नाहर, सुरेश गन्ना, रमेश दक, एमसी बलदोटा, कन्हैयालाल चिप्पड, जुगराज श्रीश्रीमाल, हितेश गिरिया सहित विभिन्न संघीय संस्थाए सभा, युवक परिषद, महिला मंडल, अणुव्रत समिति, टीपीएफ, भिक्षु धाम, चेतना केंद्र के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

अवंति पार्श्वनाथ तीर्थ की पांचवी ध्वजा 23 फरवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/उज्जैन। महाकाल की नगर उज्जैन अवंती पार्श्वनाथ तीर्थ के त्रिशिखरीय जिनालय की पांचवी वर्षगांठ महोत्सव पर 21 फरवरी सेतीन दिवसीय ध्वजारोहण महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस तीर्थ की प्रतिष्ठा आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में हुई थी।

ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोककुमार कोठारी के अनुसार 21 को पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजा, 22 को छोटा सराफा दादावाड़ी का ध्वजारोहण एवं 23 फरवरी को परमात्मा की ध्वजा सुबह 8 बजे

होगी। संघ के ललित डाकलिया ने बताया कि अवंति पार्श्वनाथ की मुख्य ध्वज के लाभार्थी बेंगलूरु निवासी संघवी कुशलराज उत्तमचंद ललितकुमार गुलेच्छा परिवार हैं। बेंगलूरु से भी अनेक श्रद्धालु इस महोत्सव में शामिल होंगे।

सूर्य सप्तमी पर निकली शोभायात्रा, सम्पन्न हुआ सूर्य मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भगवान सूर्यनारायण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के आखिरी दिन शुक्रवार को शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के मुख्य आराध्य भगवान भास्कर की आराधना का महापर्व सूर्य सप्तमी समारोह मनाया गया। श्रृंगेरी मठ के आचार्य वेद गुरु गणेश सौम्य तथा वेद गुरु राममूर्ति भट्ट के आचार्यत्व में वेद मंत्रों से पूर्णाहुति यज्ञ किया गया। सूर्य सप्तमी के मौके पर सप्त अश्वरथ पर विराजित सूर्य भगवान की उत्सव प्रतिमा को हाथी पर विराजित कर शोभायात्रा निकाली गयी। यात्रा की भव्यता को बढ़ाने के लिए महिलाओं ने कलश धारण कर मंगलगीत गाते हुए परिक्रमा की।

प्रतिष्ठा महोत्सव के समापना के मौके पर यजमान सुनील शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया तथा कार्यकर्ताओं को भास्कर माणक का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। संतोष शर्मा एवं चंद्रा शर्मा ने महिला मंडल के सदस्याओं का सम्मान किया। महोत्सव का संचालन करने वाली रितु शर्मा का सम्मान किया गया। सुनील शर्मा ने तेजराज शर्मा एवं इंद्राबाई शर्मा का भी सम्मान किया। इस अवसर पर तेजराज शर्मा, भंवरलाल, महेंद्र शर्मा, सुरेश शर्मा, सत्यनारायण शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सभी के लिए ‘आर्थिक राष्ट्रवाद’ अपनाने का वक्तः उपराष्ट्रपति धनखड़

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को भारतीय उद्योग जगत से आर्थिक राष्ट्रवाद को अपनाने की अपील की। उन्होंने गैर-जरूरी वस्तुओं के आयात और कच्चे माल के निर्यात से परहेज करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्धि और संप्रभुता के लिए ऐसा करना अनिवार्य है। धनखड़ ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''हमें केवल उसी वस्तु का आयात करने की जरूरत है, जो अपरिहार्य रूप से आवश्यक है।'' इससे विदेशी मुद्रा खर्च होती है और रोजगार के अवसर भी बाहर चले जाते हैं। उन्होंने कच्चे माल के निर्यात के दुष्प्रभावों की ओर भारतीय उद्योग जगत का ध्यान भी आकर्षित किया। धनखड़ ने कहा, ''राष्ट्रवाद महत्वपूर्ण है, सर्वोपरि है। हमें इसे अपनाना होगा। हमारे लिए आर्थिक राष्ट्रवाद को अपनाना भी जरूरी है। हमें स्थानीय लोगों के लिए मुखर होने की जरूरत है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजकोषीय लाभ कभी भी राष्ट्रीय हित या आर्थिक राष्ट्रवाद से समझौता करने का आधार नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि कारोबार, उद्योग, वाणिज्य और व्यापार संघों को जागरूकता पैदा कर कच्चे माल के निर्यात को हतोत्साहित करना चाहिए।

गुरुदेवश्री जिनमणिप्रभसूरी ने मणिप्रभ स्वास्थ्य योजना शिविर का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के बसवनगुडी स्थित सागर चंद्रम्मा अस्पताल में मंगल आगमन पर प्रबंधक डॉ वीणा एवं टीम ने स्वागत किया। इस अवसर पर गुरुदेव ने अस्पताल की तुलना सेवा मंदिर से की।उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में गलत खानपान के कारण हम अस्वस्थ रहने लगे हैं। अतः हमें स्वस्थ रहने के लिए अपने खानपान की आदतों पर ध्यान रखना बहुत ही जरूरी है। ज्ञातव्य है कि स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में खरतरगच्छ युवा व महिला परिषद द्वारा संयुक्त रूप से मणिप्रभ स्वास्थ्य योजना के तहत निःशुल्क जागरूकता, जाँच एवं परामर्श शिविर के आयोजन हो रहे है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता व विशेषज्ञों के परामर्श को प्राप्त करना है। इस योजना के तहत अस्पताल में शिविर का आयोजन भी चल रहा था। इस योजना के संयोजक पंकज बाफना, गौतम कोठारी, डॉ महावीर गुलेच्छा ने बताया की योजना के प्रथम बारह स्वास्थ्य शिविर प्रायोजक के संघवी ललितादेवी पुखराज पालरेचा परिवार वाले है। इस मौके पर ट्रस्ट मंडल ने प्रायोजक परिवार का स्वागत किया गया। शिविर के विशेष सहयोग हेतु सागर चंद्रम्मा अस्पताल को धन्यवाद ज्ञापित किया। सचिव कल्पेश लुंकड ने 25 फ़रवरी को आयोजित निःशुल्क बाल चिकित्सा जाँच, परामर्श एवं जागरूकता शिविर के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा, तेजराज गुलेच्छा, अरविन्द कोठरी, युवा परिषद के सलाहकार कैलाश संकलेचा, युवा एवं महिला परिषद के सदस्य, डाक्टर्स, अस्पताल स्टाफ एवं अन्य वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

बिहार भवन में धूमधाम से मनाई गई सरस्वती पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा आरटी नगर स्थित बिहार भवन में बसंत पंचमी के मौके पर सरस्वती पूजा मनाई गई। सनातन धर्म के अनुसार इसी दिन विद्या एवं ज्ञान की देवी सरस्वती इस धरती पर अवतरित हुई। इनके पदार्पण से वातावरण में एक नई ऊर्जा का संचार हो जाता है। इस वर्ष यजमान धैर्य झा एवं आचार्य वीरेंद्र पांडे की निश्रा में अभिजीत मुहूर्त में सरस्वती पूजा की गई। शाम को गायक जीतू व उनकी टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। परिषद के सचिव पंडित राजगुरु ने बताया कि इस कार्यक्रम में कर्नाटक के पूर्व डीजीपी आशीतमोहन प्रसाद, पूर्व आईएफएस भरत ज्योति ,वर्तमान लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश सिंह, सीआईएसएफ, डीआईजी पीएन ठाकुर के साथ-साथ ट्रस्टी विजयशंकर प्रसाद सिंह, राजेश्वरसिंह, रामलखन सिंह, हरिश्चंद्र झा, परिषद के डॉ विनय कुमार यादव, दीपेश कुमार, उदय कुमार सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। महिला मंडल व युवा मंडल ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरी की निश्रा में हासन में दीक्षा सम्पन्न

ब्यावर संघ की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ के नए अध्यक्ष पदमचन्द बोहरा ने वर्ष 2024-26 की कार्यकारिणी समिति का गठन कर घोषणा की। महामंत्री अरविन्द कोठारी ने आगामी कार्यकाल हेतु कार्यक्रमों की रुपरेखा प्रस्तुत की। सहमंत्री और प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि नवीन कार्यकारिणी में सलाहकार समिति में पन्नालाल कोठारी, अल्केश बोहरा, ज्ञानचंद खींचा, रतन श्रीश्रीमाल, ज्ञानचंद मेहता शामिल किया है। साथ ही अरविंद खिवेसरा को चेयरमैन, महेंद्र भंसाली व अनिल कोठारी को उपाध्यक्ष, अरविंद कोठारी को सचिव, दिनेश लोढ़ा को कोषाध्यक्ष तथा पूर्व अध्यक्ष महेंद्र कोठारी, पूर्व मंत्री सुरेंद्र भंसाली का पदेन सदस्य व बहादुर कांकरिया, सुरेश भूतड़ा, राजेन्द्र रेदासनी, विवेक खटोड़, रूपचंद कुमट, अरिहंत छाजेड़, विनय राठौड़, प्रतीक गादिया, विजय सिंघवी कार्यकारिणी समिति में शामिल किया है।

हासन/दक्षिण भारत। शहर के आदिनाथ जैन मूर्तिपूजक संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वजी की निश्रा में आयोजित संयम स्वीकारोत्सव महोत्सव हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। मुमुक्षु तनुष कुमार ने अपने गुरु आचार्य महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में उनसे संयम पथ स्वीकार किया। आचार्यश्री ने कहा कि हासन के लिए यह ऐतिहासिक पल है जब पहली बार संयम स्वीकारोत्सव मनाया जा रहा है। दीक्षा के बाद मुमुक्षु तनुषकुमार बने मुनि उपाहसागरजी। आचार्यश्री ने कहा कि दीक्षाएं तो कई होती है किन्तु त्याग-संयम-वैराग्य और धर्म की वृद्धि लोगों में हो जाए वैसी दीक्षा कभी कभार होती है। उन्होंने इस दीक्षा को सभी के लिए कल्याणकारी व मंगलकारी बताते हुए अपने विचार व्यक्त किए। संघ के आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा कार्यक्रम को आयोजन करने का लाभ देने के लिए अपने आप को सौभाग्यशाली माना।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.